INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

HANDWRITTEN
NOTES

उ. प्र. पुलिस कांस्टेबल

उ. प्र. पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नत बोर्ड (UPPRPB)

[भाग -2] भूगोल + इतिहास + राजव्यवस्था + अर्थव्यवस्था + उ. प्र. GK + विविध

LATEST EDITION

whatsapp- https://wa.link/z14m96 1website- https://bit.ly/up-constable-notes

सामान्य ज्ञान

• संविधान

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2. संविधान सभा
3. संविधान की विशेषताएं
4. संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र
5. भारतीय नागरिकता
6. मौलिक अधिकार
7. नीति निदेशक तत्व
8. राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति
9. भारतीय संसद
10. प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद
11. उच्चतम न्यायालय
12. राज्य कार्यपालिका (राज्यपाल)
13. मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधान मंडल
14. उच्च न्यायालय
15. पंचायती राज
16. निर्वाचन आयोग

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

17. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

18. नीति आयोग

19. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

20. संविधान संशोधन

- **भारत का भूगोल**

1. सामान्य परिचय
2. भौतिक विभाजन
3. नदियाँ एवं झीलें
4. जलवायु
5. कृषि एवं पशुपालन
6. मृदा / मिट्टी
7. प्राकृतिक वनस्पतियाँ
8. प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन
9. भारतीय उद्योग
10. परिवहन तंत्र

विश्व भूगोल

- ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **महत्वपूर्ण वनलाइनर तथ्य ,**
- पृथ्वी, महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान
- झीलें, पर्वत, पठार, महासागर , महाद्वीप इत्यादि

भारत का इतिहास

• प्राचीन भारत का इतिहास

1. सिन्धु घाटी सभ्यता
2. वैदिक काल
3. बौध्द धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म
4. महाजनपद काल
5. मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल
6. गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल
7. कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश

• मध्यकालीन भारत

1. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण
2. दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश
   - गुलाम वंश से लेकर लोदी वंश तक

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

3. भक्ति एवं सूफी आंदोलन

4. बहमनी एवं विजय नगर साम्राज्य

5. मुग़ल साम्राज्य (1526 – 1707)

    - बाबर से लेकर औरंगजेब तक

• आधुनिक भारत का इतिहास

1. यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

2. मराठा साम्राज्य

3. अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ

    - प्लासी के युद्ध से लेकर बंगाल और कांग्रेस के विभाजन तक

4. 1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन

5. भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन

6. गाँधी युग और असहयोग आंदोलन

7. क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक

भारतीय संस्कृति

1. संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय

FREE SAMPLE

2. भारतीय चित्रकला

3. भारतीय नृत्य कलाएँ

4. मुगलकालीन प्रमुख इमारतें इत्यादि

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ
2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद
3. मुद्रास्फीति
4. मुद्रा एवं बैंकिंग
5. बजट एवं बजट निर्माण
6. वस्तु एवं सेवा कर
7. केंद्र सरकार की योजनाएँ
8. उद्योग
9. गरीबी एवं बेरोजगारी

उ. प्र. सामान्य ज्ञान (GK)

- उत्तर प्रदेश राज्य का सामान्य परिचय,
- शिक्षा, संस्कृति , परंपराएं और सामाजिक व्यवहार, लोक नृत्य

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- पर्यटन एवं दर्शनीय स्थल
- राजव्यवस्था (राज्यपाल, मुख्यमंत्री , पुलिस व्यवस्था Etc.)
- भौगोलिक स्तिथि, नदियाँ, वन्य जीव अभ्यारण
- उ.प्र. के महत्वपूर्ण व्यक्ति
- उ. प्र. का इतिहास, अन्य विविध ज्ञान इत्यादि

विविध

- महत्वपूर्ण दिन
- देश / राजधानियाँ / मुद्राएँ
- खोज और अनुसंधान पुस्तकें और उनके लेखक , आदि
- पुरुस्कार एवं सम्मान
- भारत में प्रथम
- वे क्षेत्र जिन पर भारत पहले स्थान पर है
- विश्व में सबसे बड़ा एवं छोटा
- भारत में प्रथम महिला
- खेल, अंतर्राष्ट्रीय संगठन
- राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभ्यारण इत्यादि

FREE SAMPLE

अन्य विभिन्न टॉपिक

1. जनसंख्या और पर्यावरण
2. मानव अधिकार
3. उत्तर प्रदेश में राजस्व, पुलिस और सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था
4. साइबर क्राइम
5. विमुद्रीकरण और उसका प्रभाव
6. सूचना एवं संचार, सोशल मीडिया

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes के उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे या हमारे नंबरों पर कॉल करें (8233195718, 9694804063) जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ या complete Course की पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

संविधान सभा

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम० एन. रॉय ने रखा ।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है।
- क्रिप्स मिशन 1946 में भारत आया ।

क्रिप्स मिशन

- लार्ड सर पैथिक लारेंस (अध्यक्ष)
- ए० वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- 1946 ई. को ब्रिटेन के प्रधान मंत्री एटली ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के तीन सदस्य (सर स्टेफोर्ड क्रिप्स ,लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी.अलेक्जेंडर)को भारत भेजा जिसे कबिनेट मिशन कहा गया ।
- कैबिनेट का मुख्य कार्य संविधान सभा का गठन कर भारतीयों द्वारा अपना संविधान बनाने का कार्य करना था ।
- भारत में जवाहर लाल नेहरु की अध्यक्षता में अंतरिम सरकार का गठन कैबनेट मिशन योजना के तहत किया गया था । अंतरिम मंत्रिमंडल अंग इस प्रकार था ।

अंतरिम सरकार

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जवाहर लाल नेहरू	-	स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)
सरदार वल्लभभाई पटेल	-	गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	-	खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई	-	उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम	-	श्रम
सरदार बलदेव सिंह	-	रक्षा
सी. एच. भाभा	-	कार्य, खान एवं उर्जा
लियाकत अली खां	-	वित्त
अब्दुर रख निश्तार	-	डाक एवं वायु
आसफ अली	-	रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी	-	शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर	-	वाणिज्य
गजनफर अली खान	-	स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल	-	विधि

- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- सविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देसी रियासतों को दी जानी थी।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देसी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी। आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था।
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था। यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम्स, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर)।
- देसी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखो द्वारा किया जाना था।
- कैबिनेट योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए।
- इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली।
- महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे।
- 9 दिसम्बर 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई जिसमे मुस्लिम लीग ने भाग नही लिया।
- संविधान सभा का अधिवेसन् 9 दिसम्बर 1946 को कन्द्रीय कक्ष में संपन्न हुआ। डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सर्व सम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया।
- 11 दिसम्बर 1946 ई. को कांग्रेस के नेता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जो की अन्त तक इसके अध्यक्ष बने रहे।

<u>उद्देश्य प्रस्ताव</u> :-

- 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।
- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई। मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार कियाऔर अलग पाकिस्तान की मांग उठाई।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया ।
- 2 दिन पश्चात ।। दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को सभा का स्थाई अध्यक्ष बनाया गया, जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया । संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-
- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)**, राजस्थान S.I, राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

अध्याय – 6

मौलिक अधिकार

- भारत के संविधान के भाग तीन में अनु. 12 से 35 तक में मौलिक अधिकारों से सम्बन्धित प्रावधान है।
- मौलिक अधिकारों की अवधारणा को U.S.A (अमेरिका) से अपनाया गया है। भारत की व्यवस्था में मौलिक अधिकारों के निम्नलिखित महत्व हैं ।

1. मौलिक अधिकारों के माध्यम से राजनीतिक एवं प्रशासनिक लोकतंत्र की स्थापना होती है। अर्थात कोई भी नागरिक प्रत्यक्ष अथवा अ प्रत्यक्ष रूप में राजनीति में भागीदारी कर सकता है और प्रत्येक नागरिक अपनी योग्यता के आधार पर प्रशासन् का हिस्सा बन सकता है।
2. मौलिक अधिकारों के माध्यम से सरकार की तानाशाही अथवा व्यक्ति विशेष की इच्छा पर नियंत्रण स्थापित होता है।
3. मौलिक अधिकारों के माध्यम से व्यक्ति की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा स्थापित होती हैं ।
4. मौलिक अधिकारों के माध्यम से विधी के शासन् की स्थापना होती है।
5. मौलिक अधिकारों के माध्यम से अल्पसंख्यक और दुर्बल वर्ग को सुरक्षा प्राप्त होती है।
6. मौलिक अधिकारों के माध्यम से पंथनिरपेक्ष राज्य की अवधारणा को सुरक्षा प्राप्त होती हैं और इसको बढ़ावा मिलता है।
7. मौलिक अधिकार सामाजिक समानता एवं सामाजिक न्याय यात्रा की स्थापना करते हैं।
8. मौलिक अधिकारों के माध्यम से व्यक्ति की गरिमा एवं सम्मान की रक्षा होती है।
9. मौलिक अधिकार सार्वजनिक हित एवं राष्ट्र की एकता को बढ़ावा देते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- मौलिक अधिकार न्यायालय में वाद योग्य हैं । अर्थात मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने पर सुरक्षा के लिए न्यायालय में अपील की जा सकती है।

(I) समता का अधिकार :- (अनु० 14-18)

विधि के समक्ष एवं विधियों का समान संरक्षण-

- संविधान के अनु० 14 में विधि के समक्ष समता एवं विधियों के समान संरक्षण का प्रावधान हैं । विधी के समक्ष समता की अवधारणा ब्रिटेन से प्रभावित हैं । विधी के समक्ष समता से आशय हैं, विधी सर्वोच्च होगी। और कोई भी विधिक व्यक्ति विधी से ऊपर नही होगा।

विधि के समक्ष समता के सिद्धांत के भारत के संबंध में निम्नलिखित अपवाद हैं।

I. भारत का राष्ट्रपति अथवा राज्यों के राज्यपाल पर पद पर रहते हुए किसी भी प्रकार का आपराधिक मुकदमा नही चलाया जाएगा।
II. राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल के इन पदों पर रहते हुए लिए गए निर्णयों के सम्बन्ध में न्यायालय में प्रश्नगत नही किया जायेगा ।
III. संसद अथवा राज्य विधानमंडल के सदस्यों को सदन की कार्यवाही के आरम्भ होने के 40 दिन पूर्व तथा कार्यवाही के समाप्त होने के 40 दिन बाद तक किसी दीवानी मामले में न्यायलय में उपस्थित होने के लिए बाध्य नही किया जायेगा ।
IV. विदेशी राजनयिक अथवा कूटनीतिज्ञ फोजदारी मामलो एवं दीवानी मामलो से मुक्त होंगे ।
V. अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे – UNO, ADB, WB, IMF आदि के अधिकारी एवं कर्मचारी दीवानी एवं फौजदारी मामलो से मुक्त होंगे ।

FREE SAMPLE

कुछ आधारो पर विभेद का प्रतिषेद

अनु. 15 में यह प्रावधान हैं कि राज्य किसी नागरिक के साथ केवल धर्म, मूल, वेश, जाति, लिंग या जन्म स्थान को लेकर विभेद नही करेगा । यह व्यवस्था राज्य और व्यक्ति दोनों पर समान रूप से लागू होती हैं ।

लोक नियोजन के सम्बन्ध में अवसर की समता (अनु०- 16)

अनु. 16 में यह प्रावधान कि राज्य के अधीन किसी भी पद पर नियुक्ति के सम्बन्ध में अवसर की समता होगी। केवल धर्म, वंश, जाति, लिंग तथा जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा।

लेकिन निम्नलिखित मामलो में अवसर की समता के सिद्धांत का उल्लंघन किया जा सकता हैं –

1. संसद किसी विशेष रोजगार के लिए निवासी की शर्त शामिल कर सकती हैं। इसी प्रावधान के तहत अनेक राज्यों में राज्य के मूल निवासियों की विशेषाधिकर प्रदान किए गए हैं।
2. किसी धर्म से संबंधित नियुक्ति के मामले में धर्म विशेष के होने की सीमा लगाई जा सकती हैं।
3. विशेष वर्ग के लिए अलग व्यवस्था की जा सकती हैं। जैसे- SC, ST, शैक्षणिक और सामाजिक दृष्टि से पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा कुछ राज्यों में महिलाओ के सम्बन्ध में विशेष प्रावधान हैं।

अस्प्रश्यता का उन्मूलन (अनु.-17)

संविधान के अनु० 17 में यह प्रावधान हैं कि अस्पृश्यता__को समाप्त किया जाता हैं और किसी भी रूप में अस्पृश्यता को बढ़ावा देना दण्डनीय अपराध होगा। इसके संबंध में दंड वह होगा ही संसद विधी द्वारा निर्धारित करें। संविधान में अस्पर्शता के संबंध में विशेष व्यवस्था नही की गई ।

FREE SAMPLE

उपाधियों का अंत (अनु. 18)-

संविधान के अनु. 18 में उपाधियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान है –

(a) राज्य सेवा एवं विद्या को छोड़कर अन्य किसी भी प्रकार की उपाधि प्रदान नही करेगा।

(b) भारत का कोई नागरिक विदेशी राज्य से भी किसी प्रकार की उपाधि प्राप्त नही करेगा।

(c) यदि कोई विदेशी नागरिक राज्य के अधीन लाभ के पद पर कार्यरत हैं तो उसे विदेशी राज्य से उपाधि प्राप्त करने से पहले राष्ट्रपति से अनुमति लेनी होगी।

(d) राज्य के अधीन लाभ के पद पर कार्यरत कोई नागरिक किसी विदेशी राज्य से कोई उपहार अथवा उपलब्धी प्राप्त करता हैं तो राष्ट्रपति से अनुमति लेनी होगी।

- 1996 में सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया था कि पद्म पुरस्कार उपाधि नही हैं, लेकिन इन्हें प्राप्त करने वाला व्यक्ति इनका प्रयोग अपने नाम में उपसर्ग अथवा प्रत्यय के रूप में नही कर सकता।

(2) स्वतन्त्रता का अधिकार

- अनु० 19 (1) में प्रावधान हैं कि राज्य अपने नागरिकों को निम्न स्वतंत्रताए प्रदान करता हैं।

वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता :- (अनु. 19(1) A)

इसके अन्तर्गत बोलने एवं किसी भी रूप में अपने विचारो को अभिव्यक्त करना शामिल हैं। जैसे –

(a) सरकार के कार्य की प्रसंशा करना ।

(b) सरकार के कार्यो की आलोचना करना ।

(c) समाचार पत्र का प्रकाशन करना।

(d) दैनिक, साप्ताहिक, मासिक आदि पत्रिकाएं निकालना।

(e) न्यूज चैनल चलाना।

(f) फिल्म का प्रसारण करना ।

(g) अपने उत्पाद का विज्ञापन करना ।

(h) किसी प्रकार के राजीतिक बंद अथवा किसी संगठन द्वारा आयोजित बंद का विरोध करना ।

(i) सोशल मीडिया।

शांतिपूर्ण सम्मेलन करने की स्वतंत्रता (अनु. 19(1)B) :-

- किसी भी नागरिक को बिना हथियार के शांतीपूर्ण तरीके से संगठित होने व सम्मलेन करने का अधिकार है।
- इसके तहत नागरिक सार्वजनिक स्थल पर इकट्ठा हो सकते हैं और बैठको में भाग ले सकते हैं।
- लेकिन किसी निजी स्थल पर सम्मेलन का अधिकार नहीं है।

संगम या संघ बनाने का अधिकार –अनु.19 । (c)

- नागरिको को यह अधिकार है कि वह किसी भी प्रकार का संघ अथवा सहकारी समिती बना सकता है।

इसमें राजनीतिक दल,.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय – 8

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति

राष्ट्रपति पद अर्हताएँ अनुच्छेद 58

- भारत का नागरिक हो।
- न्यूनतम आयु 35 वर्ष हो।
- वह लोक सभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो।
- वह की लाभ के पद पर कार्यरत न हो।
- वह पागल या दिवालिया न हो

राष्ट्रपति का निर्वाचन

- भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष मतदान से (आनुपातिक प्रतिनिधित्व से एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान करने वाले सदस्य –

- राज्य सभा, लोक सभा और राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।
- भारत के राष्ट्रपति उम्मीदवार के प्रस्ताव का अनुसमर्थन कम से कम 50 निर्वाचको द्वारा होता है।
- भारत में राष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा होता है।
- राष्ट्रपति के निर्वाचन में किसी राज्य का मुख्यमंत्री उस स्थिति में मतदान करने के लिए पात्र नही होगा यदि वह विधान मण्डल में उच्च सदन का सदस्य हो।

राज्यों की विधान सभायें राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल का तो भाग हैं परंतु वह उसके महाभियोग में भाग नही लेता हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संसद अथवा विधान सभा का कोई सदस्य राष्ट्रपति निर्वाचित हो सकता है परन्तु उस पर कुछ शर्तें होती हैं-

राष्ट्रपति निर्वाचित होने के उपरांत उसे अपनी सदस्यता छोडनी पड़ती है।

संसद के लिए राष्ट्रपति का अभिभाषण केंद्रीय मंत्रिमंडल तैयार करता है।

राष्ट्रपति की पदावधि (Term of Office)

- **अनु. 56** के अनुसार, राष्ट्रपति की पदावधि, उसके पद धारण करने की तिथि से पांच वर्ष तक होती हैं।
- संविधान का अतिक्रमण करने पर अनुच्छेद 61 में वर्णित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा उसे पदमुक्त किया जा सकता हैं।
- अनु. 61(1) के तहत, महाभियोग हेतु एकमात्र आधार 'संविधान का अतिक्रमण' उल्लिखित हैं।
- यदि राष्ट्रपति का पद उसकी मृत्यु, त्यागपत्र, निष्कासन् अथवा किन्हीं अन्य कारणों से रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति, नये राष्ट्रपति के निर्वाचित होने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा। यदि उपराष्ट्रपति, का पद रिक्त हों, तो भारत का मुख्य न्यायाधीश (और यदि यह भी पद रिक्त हो तो उच्चतम न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश) कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा।
- पद रिक्त होने की तिथि से छह महीने के भीतर नए राष्ट्रपति का चुनाव करवाया जाना आवश्यक हैं। वर्तमान या भूतपूर्व राष्ट्रपति, संविधान के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए इस पद के लिए पुनर्निर्वाचन का पात्र होगा।
- पद- धारण करने से पूर्व राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रपत्र पर भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा उनकि अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के संम्मुख शपथ लेनी पड़ती है।

FREE SAMPLE

नोट- अनुच्छेद-77 के अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका करवाई राष्ट्रपति के नाम से की हुई खी जाएगी। और अनु. 77 (3) के अनुसार राष्ट्रपति भारत सरकार का कार्य अधिक सुविधापूर्वक किये जाने के लिए और मंत्रिओं में उक्त कार्य के आवंटन के लिए नियम बनाएगा।

राष्ट्रपति से सम्बंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेद
अनु.52 : भारत का राष्ट्रपति
अनु.53 : संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनु.54 : राष्ट्रपति का निर्वाचक मण्डल
अनु.55 : राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
अनु.56 : राष्ट्रपति की पदावधि
अनु.57 : पुनर्निर्वाचन के लिए पात्रता
अनु.58 : राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताएँ
अनु.59 : राष्ट्रपति पद के लिए शर्तें
अनु.60 : राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनु.61 : राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अनु.62 : राष्ट्रपति का पद रिक्त होने की स्थिति में उसे भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
अनु.72 : क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलम्बन, परिहार या लघुकरण की राष्ट्रपति की शक्ति
अनु.73 : संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 12

राज्य कार्यपालिका

राज्यपाल

- संविधान के भाग-6 में राज्य शासन् के लिए प्रावधान किया गया है और यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों के लिए लागू होता है।
- अनुच्छेद 153 के अनुसार राज्य में एक राज्यपाल होगा जिसकी नियुक्ति अनुच्छेद 155 के संघीय मंत्रिपरिषद् की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होता है लेकिन सातवें संशोधन (1956) के अनुसार एक ही राज्यपाल को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

राज्यपाल की योग्यता - राज्यपाल पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति में निम्न योग्यताएँ होना अनिवार्य है-

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) । वह 35 वर्ष की उम्र पूरा कर चुका हो । (3) किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो। (4) वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो। ।

- राज्यपाल की नियुक्ति द्वारा पाँच वर्षों की अवधि के लिए की जाती है, परन्तु यह राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद धारण करता है।
- राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख अपने पद की शपथ लेता है। ।
- अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की सभी कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राज्यपाल की उन्मुक्तियाँ तथा विशेषाधिकार

(1) वह अपने पद की शक्तियों के प्रयोग तथा कर्तव्यों के पालन के लिए किसी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

(2) राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्रवाही नहीं प्रारंभ की जा सकती है।

(3) जब वह पद पर हो तब उसकी गिरफ्तारी का आदेश किसी न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया जा सकता।

(4) राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पूर्व या पश्चात् उसके द्वारा किए गए कार्य के संबंध में कोई सिविल कार्रवाही करने से पहले उसे दो मास पूर्व सूचना देनी पड़ती है।

राज्यपाल की शक्तियाँ एवं कार्य

कार्यपालिका संबंधी कार्य

(अ) अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम के किए जाते हैं।

(ब) राज्यपाल मुख्यमंत्री को तथा मुख्यमंत्री की सलाह से उसकी मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है।

(स) राज्यपाल राज्य के उच्च अधिकारियों, जैसे महाधिवक्ता, राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति करता है तथा राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है।

(द) राज्यपाल का अधिकार है कि वह राज्य के प्रशासन् के संबंध में मुख्यमंत्री से सूचना प्राप्त करें।

(य) जब राज्य का प्रशासन् संवैधानिक तंत्र के अनुसार न चलाया जा रहा हो तो राज्यपाल राष्ट्रपति से राज्य में राष्ट्रपति शासन् की सिफारिश करता है।

FREE SAMPLE

(र) राष्ट्रपति शासन् के समय राज्यपाल केन्द्र सरकार के अभिकर्ता के रूप में राज्य का प्रशासन् चलाता है। (ल) राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है तथा उपकुलपतियों को भी नियुक्त करता है।

विधायी अधिकार

(अ) राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग है।

(ब) राज्यपाल विधान मंडल का सत्राहान करता है, उसका सत्रावसान करता है, तथा उसका विघटन करता है, राज्यपाल विधान सभा के अधिवेशन अथवा । दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करता है। (स) वह राज्य विधान परिषद् की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को नियुक्त करता है, जिनका संबंध विज्ञान, साहित्य, कला, समाज-सेवा, सहकारी । आन्दोलन आदि से.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 19

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक विधिक निकाय है, क परंतु यह एक संविधानिक निकाय नहीं है। इसकी स्थापना 1953 में मानव सुरक्षा अधिकार कानून के तहत की गई थी। मानवाधिकार की रक्षा करना इस आयोग का प्रमुख कार्य है। भारतीय नागरिकों को संविधान के द्वारा जो मूल अधिकार दिये गये हैं उसकी रक्षा करना इसका प्रमुख कर्त्तव्य होता है।

आयोग का गठन

1. आयोग बहुसदस्यीय है जिसमें एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य होते हैं।
2. इसका अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय का सेवानिवृत न्यायाधीश होनी चाहिए।
3. अन्य सदस्यों में सुप्रीम कोर्ट के तथा हाई कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश इसके सदस्य हो सकते हैं।
4. दो ऐसे व्यक्ति जिन्हें मानवाधिकार कानून का व्यवहारिक ज्ञान हो। इसके सदस्य हो सकते हैं।
5. इसके अलावा राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, जातिय / जनजातिय आयोगों के अध्यक्ष इसके स्वतः सदस्य होते हैं।
6. अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति के दिशा निर्देशों पर होता है।
7. इस नियुक्ति कमेटी में लोकसभा का स्पीकर, राज्यसभा का उपाध्यक्ष, विपक्ष का नेता और.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

भारत का भूगोल

अध्याय – 2

भौतिक विभाजन

भारत एक विशाल भू – भाग है जिसका निर्माण अलग – अलग भू-गर्भीय काल के दौरान हुआ है भू-गर्भीय निर्माणों के अलावा इस विशाल भूभाग पर अपक्षय अपरदन तथा निक्षेपण का प्रभाव हैं।

भारत की स्थलाकृति को पांच भागों में बाँटा जा सकता हैं।

- उत्तर भारत का पर्वतीय क्षेत्र
- प्रायद्वीपीय पठार
- मध्यवर्ती विशाल मैदान
- तटवर्ती मैदान
- द्वीप समूह
- **पर्वत**

I. उत्तर भारत का विशाल पर्वतीय क्षेत्र

यह विश्व की सर्वोच्च पर्वतीय स्थलाकृति है ,जिसका विस्तार भारत के पश्चिम से लेकर पूर्व तक है। इस पर्वतीय श्रेणी को तीन भागों में बाँटा जा सकता हैं ।

1.ट्रांस हिमालय श्रेणी

2.हिमालय पर्वत श्रेणी

3.पूर्वांचल की पहाड़ियों

ट्रांस हिमालय :- ट्रांस हिमालय का निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था इसके अन्तर्गत काराकोरम लद्दाख कैलाश व जास्कर आती है इन श्रेणियों पर वनस्पति का अभाव पाया जाता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(A) काराकोरम श्रेणी - यह ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है।

- भारत की सबसे ऊंची चोटी k2 या गाडविन ऑस्टिन (8611 m) काराकोरम श्रेणी पर ही स्थित है।
- यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है/
- काराकोरम दर्रा एवं इंदिरा कॉल इसी दर्रा में स्थित है
- काराकोरम दर्रा काराकोरम श्रृंखला स्थित कश्मीर को चीन को जोड़ने वाला संकीर्ण दर्रा है/
- भारत का सबसे लम्बा ग्लेशियर सियाचिन स्थित है
- विश्व का सबसे ऊँचा सैनिक अड्डा (सियाचिन)यहीं अवस्थित है
- काराकोरम श्रेणी पर चार प्रमुख हिमनद (ग्लेशियर) स्थित है।

- सियाचिन (72 km)
- बाल्तोरा (58km)
- बैफो (60 km)
- हिस्पर (61 Km)

(B) **लद्दाख श्रेणी** - विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी राकापोशी लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है ।

- लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है। यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- यह भारत का न्यूतम वर्षा वाला क्षेत्र है
- इसका सर्वोच्च शिखर माउंट कैलाश है

(C) **जास्कर श्रेणी-** यह ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी हैं

- नंगापर्वत इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।
- लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के बीच से ही सिन्धु नदी बहती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. **वृहद या हिमाद्रि या महान हिमालय**- इसका विस्तार नंगा पर्वत से नामचा बरुआ पर्वत तक धनुष की आकृति में फैला हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 2500 km तक है तथा औसत ऊंचाई 6100 मी॰ तक है। विश्व की सर्वाधिक ऊंची चोटियां इसी श्रेणी पर पाई जाती है जिसमें प्रमुख है-

- माउंट एवरेस्ट (8848 मी.) विश्व की सबसे ऊंची चोटी
- कंचनजंगा (8598 मी.)
- मकालू (8481 मी.)
- धौलागिरी (8172 मी.)
- अन्नपूर्णा (8076 मी.)
- नंदा देवी (7817 मी.)

- एवरेस्ट को पहले तिब्बत में 'चोमोलुगंमा' के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ 'पर्वतो की रानी'।
- हिमालय का निर्माण भारतीय सह – ऑस्ट्रलियाई प्लेट एवं यूरोशियाई प्लेट की अभिसरण प्रक्रिया से हुआ है।
- एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, नंगा पर्वत , नामचा बरुआ इसके महत्त्वपूर्ण शिखर है।
- भारत में हिमालय की सर्वोच्च ऊँची चोटी कंचन जंगा यहीं स्थित हैं।
- यह विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है।

2. **<u>लघु या मध्य हिमालय</u>**-

- महान हिमालय के दक्षिण में तथा शिवालिक के उत्तर में इसका विस्तार है। इसकी सामान्य ऊंचाई 3700 से 4500 मी. है।
- इसके अन्तर्गत कई श्रेणियाँ पाई जाती है।

- पीर पंजाल (जम्मू कश्मीर)
- धौलाधार (हिमाचल प्रदेश)
- नागटिब्बा (उत्तराखण्ड)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- कुमायूँ (उत्तराखण्ड)
- महाभारत (नेपाल)
- लघु हिमालय तथा महान हिमालय के बीच कई घाटियों का निर्माण हुआ है ।
- कश्मीर की घाटी (जम्मू कश्मीर)
- कुल्लु काँगड़ा घाटी (हिमाचल प्रदेश)
- काठमाण्डु घाटी (नेपाल)
- लघु हिमालय अपने स्वास्थ्यवर्धक पर्यटन स्थलों के लिए भी प्रसिद्द है जिसके अन्तर्गत शामिल हैं –
- कुल्लु, मनाली, डलहौजी, धर्मशाला ,शिमला (हिमाचल प्रदेश)
  अल्मोड़ा, मस्री, चमोली(उत्तराखण्ड)
- लघु हिमालय की श्रेणियों की ढालों पर शीतोष्ण घास के मैदान पाये जाते है जिन्हे जम्मू-कश्मीर मेंमर्ग (गुलमर्ग,सोनमर्ग) व उत्तराखण्ड में 'बुग्याल व पयार' कहा जाता है।

3. **<u>शिवालिक या बाह्य हिमालय</u>**

- मध्य हिमालय के दक्षिण में शिवालिक हिमालय की अवस्थिति को बाह्य हिमालय के नाम से जानते हैं
- यह लघु हिमालय के दक्षिण में स्थित है।
- शिवालिक को जम्मू कश्मीर में कश्मीर पहाड़ियां तथा अरूणाचल प्रदेश में डाफला, मिरी, अबोर व मिश्मी की पहाड़ियो के नाम से जाना जाता है।

चोस- (Chos)

- शिवालिक से पंजाब व हिमाचल प्रदेश में छोटी- छोटी धाराएँ निकलती है जिन्हें स्थानीय भाषा में चोस कहा जाता है।
- ये धाराएँ शिवालिक का अपरदन कर देती है एवं शिवालिक को कई भागो बाँट देती हैं ।

FREE SAMPLE

करेवा

पीरपंजाल श्रेणी के निर्माण के समय कश्मीर घाटी में कुछ अस्थायी झीलों का निर्माण हो गया नदियों के द्वारा लेकर आए गए अवसाद के कारण यह झीलें अवसाद से भर गई ।

ऐसे उपजाऊ क्षेत्रों में जाफरन/केसर की खेती की जाती है जिन्हें करेवा कहा जाता है।

ऋतु प्रवास

जम्मू और कश्मीर में रहने वाली जनजातियों गुज्जर, बकरवाल, झुकिया, भूटिया इत्यादि मध्य हिमालय में बर्फ के पिछलने के उपरान्त निर्मित होने वाले घास के मैदानों में अपने पशुओं को चराने के लिए प्रवास करते हैं तथा ये पुनः सर्दियों के दिनों में मैदानी भागों में आ जाते हैं जिसे ऋतु प्रवास कहा जाता है।

पूर्वांचल की पहाड़ियाँ

पूर्वांचल की पहाड़ियाँ हिमालय का ही विस्तार हैं

नामचा बरुआ के निकट हिमालय अक्ष संघीय मोड़ के कारण दक्षिण की ओर मुड़ जाता है / पटकाई, नागा, मणिपुर, लुशाई, या मिजो पहाड़ी आदि को को हिमालय का विस्तार बन जाता हैं यह पहाड़ियाँ भारत एवं म्यांमार सीमा पर स्थित हैं ।

नागा पहाड़ी की सर्वोच्च चोटी माउंट.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

- **भारत के प्रमुख दर्रे –**

हिमालय विश्व की सबसे ऊँची पर्वतमाला हैं और इसे पार करना दुष्कर हैं लेकिन इसमें कुछ दर्रे हैं जिनसे इस दुर्गम पर्वतमाला को पार किया जा सकता हैं/

इन पर्वतमाला की कुछ दर्रे इस प्रकार हैं –

1. पश्चिमी हिमालय के दर्रे
2. पूर्वी हिमालय के दर्रे
3. पश्चिमी घाट के दर्रे

I.पश्चिमी हिमालय के दर्रे : –

काराकोरमः - यह काराकोरम श्रेणी मे अवस्थित भारत की सबसे ऊँची चोटी हैं जो उत्तर में स्थित है/इसकी ऊंचाई 5000 मी. हैं और भारत के लद्दाख को चीन के सिकियंग प्रान्त से मिलाता है/

चांगला : - यह लद्दाख को तिब्बत से मिलाता है यह शीत ऋतु में हिमपाद के लिए बंद रहता है/

बनिहाल : - यह पीरपंजाल श्रृंखला में स्थित हैं / इसी में जवाहर सुरंग स्थित हैं /

लानकला : -यह जम्मू – कश्मीर के चीन अधिकृत अक्साई चीन में स्थित है / और तिब्बत की राजधानी तथा लद्दाख के बीच सम्पर्क बनाता है /

बरालाचा ला :- यह मनाली और लेह को आपस में जोड़ता हैं इसी से मनाली – लेह सड़क गुज़रता हैं / यह शीत ऋतु बंद रहता हैं

पीर पंजाल : - यह पीर पंजाल पर्वत श्रेणी में स्थित है जम्मू से श्री नगर जाने का मार्ग हैं लेकिन आजादी के बाद इसे बंद कर दिया गया है/

जोजिला : - यह श्री नगर, कारगिल एवं लेह के बीच संपर्क को स्थापित करता है इस के महत्त्व को देखते हुए श्री नगर जोजिला सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया हैं/

खारदुन्गला :- यह जम्मू कश्मीर के काराकोरम पर्वत श्रेणी में छः हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित है इसी में भारत की सबसे ऊँची सड़क स्थित हैं /

थांग ला : -इस दर्रे से देश की दूसरी सबसे ऊँची सड़क गुज़रती हैं

रोहतांग :- यह हिमाचल के लौह और स्पीती के बीच में संपर्क बनाता है /

शिपकी ला : -यह झेलम महाखंड पर छः हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हैं जो हिमाचल प्रदेश को तिब्बत से मिलाता हैं /

लिपु लेख : - यह उत्तराखंड को तिब्बत से मिलाता हैं /यह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिलें में अवस्थित हैं / इसी से कैलाश मानसरोवर की यात्रा सम्पन्न होता हैं/

माना : -यह भी उत्तराखंड को तिब्बत से मिलाता हैं जो बद्रीनाथ मंदिर से कुछ हि दूर स्थित हैं

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नीति :- यह भी उत्तराखंड और तिब्बत के स्थित है जो नवम्बर से लेकर मई तक बंद रहता है/

2. <u>पूर्वी हिमालय के दर्रे : -</u>

नाथू ला : - यह भारत – चीन सीमा पर स्थित है जो लगभग 4310 मी. की ऊंचाई पर है/ यह प्राचीन सिल्क मार्ग का अंग था और यहाँ से भारत एवं चीन के बीच व्यापारिक संबंध थे / भारत – चीन युद्ध के बाद इसे बंद कर दिया गया था /लेकिन वर्ष 2006 को पुनः खोल दिया गया है/

बोमडीला : -यह भारत के पड़ोसी देश भूटान के पूर्व था भारत चीन सीमा के थोडा सा दक्षिण में महान हिमालय में स्थित है

यह अरुणाचल प्रदेश का ल्हासा से सम्पर्क करता है/

जेलेप ला : -यह सिक्किम – भूटान सीमा पर स्थित है और चुम्बी घाटी द्वारा.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 5

कृषि एवं पशुपालन

विभिन्न प्रकार की खेतियों के नाम

एरोपोनिक	पौधों को हवा में उगाना
एपीकल्चर	मधुमक्खी पालन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
फ्लोरीकल्चर	फूल विज्ञान
ओलेरीकल्चर	सब्जी विज्ञान
पोमोलॉजी	फल विज्ञान
विटीकल्चर	अंगूर की खेती
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पिसीकल्चर	मत्स्यपालन
सेरीकल्चर	रेशम उद्योग
मोरीकल्चर	रेशम कीट हेतु , शहतूत उगाना

भारत की फसल ऋतुएँ -

भारत की भौतिक संरचना, जलवायुविक (Climatic) एवं मृदा सम्बन्धी विभिन्नताएँ ऐसी हैं, जो विभिन्न प्रकार की फसलों की कृषि को प्रोत्साहित करती हैं। देश के उत्तरी एवं आन्तरिक भागों में तीन प्रमुख फसल खरीफ, रबी व जायद के नाम से जानी जाती हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. खरीफ

ये वर्षा काल की फसलें हैं, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रारम्भ जून-जुलाई होना । के साथ बोई जाती है तथा सितम्बर-अक्टूबर तक काट ली जाती इसमें उष्णकटिबन्धीय फसलें शामिल है, जिसके अन्तर्गत चावल, ज्वार बाजरा, मक्का, जूट, मूंगफली, कपास, सन, तम्बाकू, मूंग, उड़द, लोबिया आदि की कृषि की जाती है।

2. रबी

ये फसल सामान्यतः अक्टूबर में बोई जाती हैं और मार्च में काट ली जाती है। इस समय का कम तापमान शीतोष्ण एवं उपोष्ण कटिबन्धीय फसलों के लिए सहायक होता है। इस ऋतु में सिंचाई की आवश्यकता ज्यादा पड़ती है। इसके अन्तर्गत शामिल प्रमुख फसलें- गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, राई आदि हैं।

3. जायद

जायद एक अल्पकालिक एवं ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु है, जो रबी एवं खरीफ के मध्यवर्ती काल में अर्थात् अप्रैल में बोई जाती है और जून तक काट ली जाती है। इसमें सिंचाई की सहायता से सब्जियों तथा खरबूजा, ककड़ी, खीरा, करेला आदि की कृषि की जाती है। मूंग एवं कुल्थी जैसी दलहन फसलें भी इस समय उगाई जाती हैं। यद्यपि इस प्रकार की पृथक् फसल ऋतुएँ देश के दक्षिणी भागों में नहीं पाई जाती । यहाँ का अधिकतम तापमान वर्ष भर किसी भी उष्णकटिबन्धीय फसल (Tropical Crop) की बुआई में सहायक है, इसके लिए पर्याप्त आर्द्रता उपलब्ध होनी चाहिए। इसलिए देश के इस भाग में जहाँ भी पर्याप्त मात्रा में सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध हैं, एक कृषि वर्ष में एक ही फसल तीन बार उगाई जा सकती है।

प्रमुख फसलें

भारत में प्रमुख फसलों की कृषि

FREE SAMPLE

I.चावल –

- *यह प्रेमिनी कुल का एक उष्णकटिबंधीय फसल है एवं भारत की मानसूनी जलवायु में इसको अच्छी कृषि की जाती है। चावल हमारे देश की सबसे प्रमुख खाद्यान्न फसल है। गर्म एवं आर्द्र जलवायु की उपयुक्तता के कारण इसे खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है।*
- *देश में सकल बोई गई भूमि के 23% क्षेत्र में एवं खाद्यान्नों के अंतर्गत आने वाले कुल क्षेत्र में 47% भाग पर चावल की कृषि की जाती है।*

विश्व में चावल के अंतर्गत आने वाले सर्वाधिक क्षेत्र (28%) भारत में हैं जबकि उत्पादन में इसका चीन के बाद दूसरा स्थान है। 2012 में चावल निर्यात में भारत का विश्व में प्रथम स्थान.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय - 6

मृदा / मिट्टी

भारत के मृदा वर्गीकरण के दिशा में कहीं कार्य किये गए हैं/ जिनमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) द्वारा 1956 में किया गया कार्य अधिक महत्त्वपूर्ण हैं / ICAR द्वारा संरचनात्मक मृदा और खनिज, मृदा के रंग व संसधानात्मक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए भारत के मृदा को 8 भागों में विभाजित किया हैं/

मृदा के प्रकार

1. जलोढ़ मृदा (तराई मृदा , बांगर मृदा, खादर मृदा)
2. काली मृदा
3. लाल - पीली मृदा
4. लैटेराइट मृदा
5. पर्वतीय मृदा
6. मरुस्थलीय मृदा
7. लवणीय मृदा
8. पीट एवं जैव मृदा

मिट्टी के अध्ययन के विज्ञान को मृदा विज्ञान (पेडोलॉजी) कहा जाता हैं ।

1953 में केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड का गठन किया गया ।

मृदा शब्द की उत्पति लैटिन भाषा के शब्द "सोलम" से हुई, जिसका अर्थ हैं - फर्श ।

मूल चट्टानों, जलवायु, भूमिगत उच्चावच, जीवों के व्यवहार तथा समय से मृदा अपने मूल स्वरूप में आती हैं अथवा प्रभावित होती हैं ।

मृदा में सबसे अधिक मात्रा में क्वार्टज खनिज पाया जाता हैं ।

ऐपेटाइट नामक खनिज से मृदा को सबसे अधिक मात्रा में फास्फोरस प्राप्त होता हैं ।

वनस्पति मिट्टी में ह्युमस की मात्रा निर्धारित करती हैं ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मृदा में सामान्यतः जल 25 प्रतिशत होता हैं ।

जलवायु मिट्टी में लवणीकरण, क्षारीयकरण, कैल्सीकरण, पाइजोलीकरण में सबसे महत्त्वपूर्ण कारक हैं ।

मृदा को जीवीत तंत्र की उपमा प्रदान की गई हैं ।

I.जलोढ़ मिट्टी –

- यह भारत में लगभग 15 लाख वर्ग कि.मी. (43.4%) क्षेत्र पर विस्तृत हैं ।
- इस मृदा का निर्माण नदियों द्वारा लाए गए तलछट के निक्षेपण से हुआ है / इस प्रकार यह एक अक्षेत्रीय मृदा है
- इस मृदा के दो प्रमुख क्षेत्र हैं –
  - उत्तर क विशाल मैदान
  - तटवर्ती मैदान
  - जलोढ़ मृदा नदियों की घाटियों एवं डेल्टाई भाग में भी पाएँ जाते हैं
  - ये नदियों द्वारा निर्मित मैदानी भाग में पंजाब से असम तक तथा नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा व कावरी के तटवर्ती भागों में विस्तृत हैं ।
  - यह मिट्टी उच्च भागों में अपरिपक्व तथा निम्न क्षेत्रों में परिपक्व हैं ।
  - इनमें पोटाश व चुना प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जबकि फास्फोरस, नाइट्रोजन व जीवांश का अभाव पाया जाता हैं ।
  - यह उपजाऊ मृदा है

    इस मृदा को तीन भागो में बाँटा जाता है-

I.तराई मृदा

- इस मृदा में महीन कंकड़, रेत, चिकनी मृदा, छोटे – छोटे पत्थर आदि पाएँ जाते हैं
- इस मृदा में चट्टानी कणों के होने से जल ग्रहण की क्षमता अधिक होती है
- इस मृदा में चूने की मात्रा अधिक होती हैं
- यह गन्ने की कृषि के लिए उपयुक्त होता है

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **2.बांगर मृदा**
- यह पुरानी जलोढ़ मृदा है यह मृदा सतलज एवं गंगा के मैदान के उपरी भाग तथा नदियों के मध्यवर्ती भाग में पाई जाती है
- यहाँ बाढ़ का पानी नही पहुचं पाता है
- इस मृदा में चीका एवं बालू की मात्रा लगभग बराबर होता है
- यह मृदा रबी के फसल के लिए उपयुक्त होता है

3.खादर मृदा

- यह नवीन जलोढ़ मृदा है यहाँ प्रत्येक वर्ष बाढ़ का पानी पहुँचने से नवीनीकरण होता रहता है
- यह मृदा खरीफ के फसल के लिए उपयुक्त होता है

2.**लाल - पीली मिट्टी :-**

- यह देश के लगभग 6.1 लाख वर्ग कि.मी. (18.6%) भू-भाग में हैं।
- इस मिट्टी का विकास आर्कियन ग्रेनाइट, नीस तथा कुड़प्पा एवं विंध्यन बेसिनों तथा धारवाड़ शैलों की अवसादी शैलो के उपर हुआ हैं।
- इनका लाल रंग लौह ऑक्साइड़ की उपस्थिति के कारण हुआ है।
- यह मिट्टी आंशिक रूप से अम्लीय प्रकार.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 9

भारतीय उद्योग

I. स्वतंत्रता से पूर्व भारत में स्थापित उद्योग-

- लौह इस्पात उद्योगः- 1874 में कुल्टी (प. बंगाल) में पहला व्यवस्थित लौह इस्पात केन्द्र स्थापित किया गया।
- एल्युमिनियम उद्योगः- 1837 में जे.के. नगर (प. बंगाल) में पहला एल्युमिनियम उद्योग स्थापित किया गया।
- सीमेन्ट उद्योगः- सीमेन्ट उद्योग का पहला कारखाना 1904 में चेन्नई में लगाया।
- रसायनिक उद्योगः- भारत में रसायनिक उद्योग की शुरुआत 1906 में रानीपेट (तमिलनाडु) में सुपर फास्फेट के यंत्र के साथ हुई।
- जहाजरानी उद्योगः- 1941 में विशाखापटनम में पहला जहाजरानी उद्योग लगाया गया जिसका नाम हिन्दुस्तान शिपयार्ड था।
- सुती वस्त्र उद्योगः- 1818 में कोलकता में प्रथम सुती वस्त्र मील की स्थापना की गई जो असफल रही। 1854 में मुंबई में प्रथम सफल सुती वस्त्र मील की स्थापना डाबर ने की।
- **जूट उद्योगः-** जूट उद्योग की स्थापना 1955 में रिसदा (कोलकाता) में की गई।
- **ऊनी वस्त्र उद्योगः-** भारत में पहली ऊनी वस्त्र मील की स्थापना 1876 में कानपुर में की गई।

वर्ष 1951-52 में GDP में औद्योगिक क्षेत्र का भाग 16.6 प्रतिशत था जो कि वर्ष 2016-17 में बढ़कर 29.02 प्रतिशत हो गया तथा वर्तमान में यह लगभग 31 प्रतिशत हैं।

भारत के प्रमुख विनिर्माण उद्योग

लौह इस्पात उद्योगः-

FREE SAMPLE

- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन 2018 की रिपोर्ट के अनुसार लौह इस्पात उत्पादन में भारत चीन व अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर हैं ।
- 2003 के बाद से भारत स्पंज आयरन का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादनकता हैं ।
  - फरवरी 2018 से भारत कच्चे इस्पात के उत्पादन में जापान को पीछे छोड़कर दूसरे पायदान पर आ गया हैं ।
  - इस उद्योग में कच्चे माल के रूप में लौह अयस्क, मैंगनीज, चूना पत्थर, कुकिंग कोयला एवं डोलामाइट का प्रयोग किया जाता हैं ।
  - 1907 में साकची, झारखण्ड में जमशेद टी टाटा द्वारा लौह इस्पात उद्योग टाटा आयरन व स्टील कम्पनी (TLSCO) की स्थापना की गई । इसे भारत में आधुनिक लौह इस्पात की शुरूआत माना जाता हैं ।
  - भारत में पहली बार 1874 में कुल्टी, पं.बंगाल में 'बंगाल आयरन वर्क्स' की स्थापना हुई, जो अब बंगाल लोहा व इस्पात उद्योग में बदल गया हैं ।
  - 1907 में जमशेदपुर में TISCO भारत में स्थापित पहली नीजी क्षेत्र की लौह इस्पात उद्योग की इकाई बनी ।

  दूसरी पंचवर्षीय योजना में लगाए गए कारखाने -
  - राउरकेला (उड़ीसा):- जर्मनी के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से उत्पादन शुरू)

  भिलाई (छत्तीसगढ़):- रूस के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के

सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय- 10

परिवहन तंत्र

रेल परिवहन –

- भारत में रेलवे का आरम्भ 1853 में हुआ, जब पहली रेलगाड़ी मुम्बई से थाणे के बीच 34 किमी. मार्ग पर चलाई गई।

विश्व में सर्वप्रथम 1825 में ब्रिटेन में लीवरपुर से मैंनचेस्टर के बीच चलायी गयी.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- सड़क योजना चलाई जा रही है।

1. राष्ट्रीयराजमार्गों (#National_Highways)

2. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 1 (km. 456) – दिल्ली से अमृतसर तथा भारत-पाकिस्तान सीमा तक
3. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 1A (km. 663) – जलंधर से उरी तक
4. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 1B (km. 274) – बटोटे से खानाबल तक
5. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 1C (km. 8) – डोमेल से कटरा तक
6. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 1D (km. 422) – श्रीनगर से कारगिल से लेह तक
7. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 2 (km. 1,465) – दिल्ली से कोलकाता तक
8. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 2A (km. 25) – सिकन्दरा से भोगनीपुर तक
9. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 2B (km. 52) – बर्धमान से बोलपुर तक
10. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 3 (km. 1,161) – आगरा से मुम्बई तक
11. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 4 (km. 1,235) – थाणे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 3 से चेन्नई तक
12. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 4A (km. 153) – बेलगाम से पणजी तक
13. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 4B (km. 27) – नवाशेवा से पाल्सपे तक
14. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 5 (km. 1,533) – राष्ट्रीय राजमार्ग 6 से चेन्नई तक
15. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 5A (km. 77) – राष्ट्रीय राजमार्ग 5 के पास से पारादीप बंदरगाह तक
16. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 6 (km. 1,949) – हजीरा से कोलकाता तक
17. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 7 (km. 2,369) – वाराणसी से कन्याकुमारी तक
18. राष्ट्रीय राजमार्ग NH) 7A (km. 51) – लयमकोट्टई से तूतीकोरन बंदरगाह तक
19. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 8 (km. 1,428) – दिल्ली से मुंबई तक
20. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 8A (km. 473) – अहमदाबाद से मांडवी तक
21. राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 8B (km. 206) – बामनबोर से पोरबंदर तक.....

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

विश्व भूगोल

ब्रह्मांड एवं सौरमंडल

ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।

ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा -

वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।

तारा बनने से पहले विरल गैस का गोला होता है।

जब ये विरल गैस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।

जब इन नेबुला में संलयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।

तारों में हाइड्रोजन का संलयन हिलियम में होता रहता है । तारों में इंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।

तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है ।

1. लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
2. सफेद रंग - मध्यम ताप
3. नीला रंग - उच्च ताप

तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

लाल दानव

जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।

Case 1st

यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

श्वेत वामन

इसे जीवाश्म तारा भी कहते हैं । छोटा तारा अंतिम रूप से श्वेत वामन अवस्था में ही चमकता है ।

काला वामन

श्वेत वामन जब चमकना छोड़ देता है तो वह काला वामन का रूप ले लेता है । इस प्रकार छोटे तारों का अंत हो जाता है ।

Case 2nd

यदि लाल दानव का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1 . 44 गुना से बड़ा है तो वह अभिनव तारा का रूप लेगा ।

अभिनव तारा

इसमें कार्बन जैसे हल्के पदार्थ , लोहा जैसे भारी पदार्थ में परिवर्तित होने लगता है । जिस कारण यह विस्फोट करने लगते.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह ,उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु , उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं ।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

Core(कोर)

यह सूर्य के मध्य भाग है इसका तापमान लगभग 15 मिलियन सेल्सियस है इसी में हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है यह प्लाज्मा अवस्था है ।

सौर कलंक

- वह ज्वाला जिसका तापमान कम था और उसके पास उर्जा भी कम थी सूर्य गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस खींच लेता है ।
- यह दो सेल के बीच के खाली जगह से अंदर प्रवेश करता है । इसका तापमान 4000 डिग्री सेल्सियस होता है जबकि सौर ज्वाला का तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- अतः इसका तापमान अपेक्षाकृत कम होता है अतः यह एक धब्बा के समान दिखता है जिसे शोर कलंक कहते हैं ।

सौर कलंक चक्र (Sun spots cycle)

- सौर ज्वाला सूर्य के विश्वत रेखा से 40 डिग्री अक्षांश तक जाता है ।
- इसे जाने में 5.5 वर्ष तथा आने में 5.5 वर्ष लगते हैं अतः Sun spot cycle 11 वर्ष का होता है।
- 2013 में 23 वां cycle पूरा हुआ था, वर्तमान में 24 cycle वां चल रहा है ।
- एक cycle में (11 years में) वर्ष में **100 solar spot** होते हैं ।

चुंबकीय चाप (Magnetic Arc)

जब Sun spot बनता है तो वहां की चुंबकीय क्षमता बढ़ जाती है । इन चुंबकीय किरणों को अपनी ओर खींच लेता है जिसे चुंबकीय चाप कहते हैं।

सूर्य की बाहरी परत

सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं ।

1. प्रकाश मंडल

यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।

2. वरुण मंडल

यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।

3. (corona)

- यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।

FREE SAMPLE

- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है ।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है ।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है ।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है ।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है ।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड **10** ^{26} जूल ऊर्जा निकलती है ।
- सूर्य पश्चिम से पूरब घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
- सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है ।

ग्रह

वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित हो।तथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह है ग्रहों केा 2 श्रेणियों में बांटते है ।

पार्थिव

- इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं ।
- इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं ।
- इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं है इन ग्रहों की संख्या चार होती है।

a. बुध b. शुक्र

c. पृथ्वी

FREE SAMPLE

d. मंगल

जोवियन ग्रह

इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं ।इनका आकार बड़ा होता है.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

- **विश्व भूगोल से सम्बंधित महत्वपूर्ण वनलाइनर तथ्य**

1. अंटार्कटिक में अनुसंधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित अनुसंधान केंद्र का नाम दक्षिणी गंगोत्री है।
2. यूनेस्को की वैश्विक विरासत की सूची में कुछ दिनों पहले भारत के जयपुर स्थित जंतर-मंतरस्मारक को शामिल किया गया है।
3. मालदीव का गंभीर पर्यावरण निम्नकोटिकरण अनिवार्यतः उच्च जनसंख्या घनत्व के कारण माना जाता है।
4. आकाशगंगा मंदाकिनी सबसे पहले देखी गैलिलियो नेथी।
5. जियोग्राफीशब्द इराटास्थेनीज नेनिर्मित किया था।
6. ग्रह गति का केपलर नियम बताता है कि कालावधि का वर्ग अर्द्ध दीर्घ अक्ष के घन के बराबर है।
7. धुमकेतु सुर्य के गिर्द प्रक्रमाण करते हैं।
8. पल्सर तेजी से घूमने वाले तारे होते हैं।
9. पृथ्वी, 4 जुलाई को सूर्य से अपनी अधिकतम दूरी पर होती है।
10. सूर्य के चारों ओर घूमने वाले ग्रहों की कुल संख्या आठ है।
11. सौर परिवार का सबसे बड़ा ग्रहबृहस्पति है।
12. बुध ग्रह के उपग्रहों की संख्या शून्य है।
13. बुध नक्षत्र में एक वर्ष में दिनों की संख्या 88 होती है।
14. पृथ्वी, पश्चिम से पूर्व को घूम रही है इसलिए तारे पूर्व से पश्चिम में ज्यादा दिखते हैं।
15. खगोल-भौतिकी में बाह्य अंतरिक्ष में परिकल्पित होल को जहां से तारे और उर्जा निकलती है, वाइट होल नाम दिया गया है।
16. सूर्य के सबसे निकट बुध ग्रह है।
17. बृहस्पति का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान का लगभग हजारवां भागहै ।

FREE SAMPLE

18. सौरमंडल का सबसे चमकीला ग्रह शुक्र है।
19. सौरमंडल में सबसे गर्म ग्रह शुक्र है।
20. हमारे सौरमंडल में शुक्र ग्रह लगभग पृथ्वी जितना बड़ा है।
21. चाँद की तरह प्रावस्थाएं दिखाने वाला ग्रह शुक्र है।
22. सूर्य या चंद्र ग्रहण में पृथ्वी की छाया दो भाग में विभाजित हो जाती है।
23. पृथ्वी के सबसे नजदीक सूर्य तारा है।
24. 3 जनवरी के दिन पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट होती है।
25. सूर्य के बाद पृथ्वी से सबसे नजदीकी तारा प्रोक्सिमा सेंचुरी है।
26. सूर्य का पृष्ठीय तापमान 6000^{0}Cआंका गया है।
27. सूर्य की बाह्यतम परत को किरीट (कोरोना)कहते हैं।
28. सूर्य की ऊर्जा का स्रोत नाभिकीय संलयन प्रक्रिया में निहित है।
29. पृथ्वी कितनी पुरानी है इसका निर्धारणरेडियो-मोट्रिक काल निर्धारण प्रकार से किया जाता है।
30. मंगल की परिक्रमा कक्षा में जाने वाले प्रथम एशियाई देश का नाम भारतहैं।
31. सूर्य से पृथ्वी तक पहुंचने में प्रकाश को 8 मिनट बीस सेकंड का समय लगता है।
32. तुल्यकाली उपग्रह पृथ्वी के गिर्द पश्चिम से पूर्व की ओर धूमता है।
33. 'मध्यरात्रि सूर्य' का अर्थ है, सूर्य का ध्रुवीय वृत्त में देर तक चमकना।
34. नासा ने बुध(मर्करी) का अध्ययन करने के लिए मेसेंजर सैटेलाइट लांच किया था।
35. ग्रहण के दौरान पड़ने वाली छाया का सबसे काला भाग प्रच्छाया कहलाता हैं ।
36. लघु ज्वार-भाटा दुर्बलहोते हैं।
37. महासागरों की सतह पर सूर्य के और चांद के गुरुत्व के कर्षण से ज्वार-भाटा बनता हैं।
38. सागर में वृहत ज्वार पूर्णमासी तथा.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान

एशिया की प्रमुख नदियां

नाम	संबंधित देश	विशेषताएं
आमू दरिया	अफगानिस्तान,तजाकिस्ता,तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान	• उद्गम स्थान - पामीर पर्वतीय क्षेत्र • अर्ध शुष्क क्षेत्र में बहती है।
सीर-दार्या	कजाकिस्तान, किर्गिस्तान तजाकिस्तान,उज़्बेकिस्तान	• मुहाना-अरल सागर में
चाओ-फ्राया नदी	थाईलैंड की प्रमुख नदी	• मुहाना-थाईलैंड की खाड़ी • इसका बेसिन चावल उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। • इसके मुहाने पर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

टिगरिस नदी एवं यूफ्रेट्स नदी	तुर्की, इराक,सीरिया	• उद्गम स्थान-टॉरस पर्वत (टर्की) • यह बेसिन खजूर उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। • इन नदियों को क्रमशः दजला और फरात नाम से भी जाना जाता है।
येलो रिवर (ह्वागहों)	चीन	• उद्गम स्थान - कुनलून पर्वत • मुहाना - पो हाई की खाड़ी (येलो सागर) • अपने कटाव व बाढ़ के लिए प्रसिद्ध यह नदी 'चीन का शोक' कहलाती है। • पीले रंग के लोयस निर्मित मैदान से प्रवाहित होती है इसके कारण यह अत्यधिक मात्रा में सिल्ट का निक्षेप करती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

एशिया की प्रमुख झीलें

झील	देश	विशेषताएं
कैस्पियन झील	अज़रबैजान, ईरान,कजाखस्तान, तुर्कमेनिस्तान, रूस	• एशिया-यूरोप महाद्वीप की विभाजक होने के साथ विश्व की सबसे बड़ी झील है। • इसमें वोल्गा और युराल जैसी प्रमुख नदियों का मुहाना है।
बाल्खस झील	कजाखस्तान	• यह खारे पानी की झील है।
पेंगोंग झील	भारत,चीन	• रामसर कन्वेंशन के तहत इसे मान्यता प्राप्त है। • भारत और चीन के मध्य वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) यहीं से गुजरती है।
टोनले सप झील	कंबोडिया	• यह दक्षिण- पूर्व एशिया की एक महत्वपूर्ण झील है।
वान झील	तुर्की	• यह विश्व की सर्वाधिक खारे पानी की झील है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

बैकाल झील	रूस	• विश्व की सबसे गहरी झील • यहीं से लीना व अगारा नदियों का उद्गम होता है।
अरल सागर	कजाखस्तान एवं उज़्बेकिस्तान	• आमू दरिया और सिर दरिया नदियाँ इसी झील में गिरती है।

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

इतिहास

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – I

सिन्धु घाटी सभ्यता

- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया।
- वृहतर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया।
- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेंसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे हैं। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं।
- 1902 में लार्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध है।
- 20 सित० 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।

FREE SAMPLE

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियां –

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ो की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ो से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है।
- अल्पाइन प्रजाति।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- ह्विलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट
- डाबर कोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज आरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***हरियाणा-*** *राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बणावली, मितायल, बालू*
- ***पंजाब –*** *कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा*

  रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- ***कश्मीर*** *- माण्डा*

  चिनाब नदी के किनारे

  सभ्यता का उत्तरी स्थल
- ***राजस्थान*** *- कालीबंगा, बालाथल*

  तरखान वाला डेरा
- ***उत्तर प्रदेश****- आलमगीरपुर*

  सभ्यता का पूर्वी स्थल

  - माण्डी

  - बड़गाँव

  - हलास

  - सनौली
- ***गुजरात***

  धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्वी,तेलोद,नगवाड़ा,कुन्तासी,शिकारपुर, नागेश्वर ,मेंघम प्रभासपाटन भोगवार
- ***महाराष्ट्र****- दैमाबाद*

  सभ्यता की दक्षिणतम सीमा

  फैलाव- त्रिभुजाकार

  क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलों मीटर

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- ***<u>हड़प्पा</u>***

  रावी नदी के किनारे पर स्थित है।

  दयाराम साहनी ने खोजा। खोज- वर्ष 1921 में

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

उत्खनन-

- 1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा ।
- 1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा
- 1946 में मार्टीमर ह्वीलर द्वारा
- इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।
- पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 km.
- 1826 में चार्ल्स मैसन् ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है ।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया ।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं ।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं ।

<u>मोहनजोदड़ो</u>

- सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ो की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी।

उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)

- मार्शल
- जे.एच. मैके
- जे.एफ. डेल्स

- मोहनजोदड़ो का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ो सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ो को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- *वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेंहरगढ़*
- *सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।*
- *मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)*
- *यहाँ से एक.....*

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - 3

बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,

- **बौद्ध धर्म**

उदय के कारण

- छठी ई.पू. में वैदिक संस्कृति कर्मकाण्डों व आडम्बरों से ग्रसित हो गई।
- मध्य गंगा घाटी में इसी समय 62 सम्प्रदायों का उदय हुआ । उनमें जैन और बौद्ध सम्प्रदाय प्रमुख थी ।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे ।
  सिद्धार्थ-बचपन का नाम - सिद्धि प्राप्त करने के लिए जन्म लेने वाला ।
- जन्म 563 ई.पू. -कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था । (नेपाल)
- कुल- शाक्य (क्षत्रिय कुल)
- बुद्ध की माता - महामाया थी । उनकि मृत्यु के बाद पालन पोषण महाप्रजापति गौतमी ने किया था ।
- पिता - शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे।
- बौद्धों की रामायण के नाम से प्रसिद्ध बुद्धचरित के रचनाकार अश्वघोष हैं ।
- 16 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध का विवाह-
  यशोधरा से हुआ इनके पुत्र का नाम राहुल था।

महाभिनिष्क्रमण

FREE SAMPLE

- 29 वर्ष की आयु में सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिया था।
- अनोमा नदी के तट पर सिर मुण्डन
- काषाय वस्त्र धारण किये।
- प्रथम गुरु आलार कलाम थे।

- सांख्य दर्शन के आचार्य
- बाद में उरुवेला (बोधगया) प्रस्थान
- यहाँ पांच साधक मिले।
- इनमें कौण्डिय प्रमुख थे ।

ज्ञान प्राप्ति –

- 35 वर्ष की आयु में – बोध गया में ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- वैशाख पूर्णिमा को पीपल के वृक्ष के नीचे
  निरंजना नदी (पुनपुन) के तट पर ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- इसी दिन से गौतम बुद्ध तथागत कहलाये तथा गौतम बुद्ध नाम भी यहीं से हुआ। वह स्थान बोधगया कहलाया। जिसने सत्य को प्राप्त कर लिया।

धर्मचक्र प्रवर्तन-

- बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम) में दिया जिसे बौद्धग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

whatsapp- https://wa.link/z14m96 70website- https://bit.ly/up-constable-notes

FREE SAMPLE

अध्याय -7

कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश

- **कुषाण वंश**

- मौर्योत्तरकालीन विदेशी आक्रमणकारियों में कुषाण वंश सबसे महत्वपूर्ण है। पल्लवों के बाद भारतीय क्षेत्र में कुषाण आये जिन्हें युची और तोखरी भी कहा जाता है।
- कुषाणों ने सर्व प्रथम बैक्ट्रिया और उत्तरी अफगानिस्तान पर अपना शासन स्थापित किया।
- कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था।
- इसने तांम्बे का सिक्का चलाया था। सिक्कों के एक भाग पर यवन शासक हर्मियस का नाम उल्लेखित है तथा दूसरे भाग पर कुजुल का नाम खरोष्ठी लिपि में खुदा हुआ है।
- कुजुल कडफिसेज के बाद विम कडफिसेज शासक बना जिसने सर्वप्रथम सोने का सिक्का जारी किया। इसके अतिरिक्त कुषाणों ने प्राचीन भारत में नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाने के साथ ही उत्तरी पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांम्बे के सिक्के भी जारी किये।
- इसके सिक्कों पर शिव नंदी तथा त्रिशूल की आकृति एवं महेशवर की उपाधि उत्कीर्ण हैं।
- विम कडफिसेज के बाद कनिष्क ने कुषाण साम्राज्य की सत्ता संभाली कनिष्क कुषाण वंश का महानतम शासक था। इसके कार्य काल का आरम्भ 78 ई. माना जाता है। क्योंकि इसी ने 78 ई. में शक संवत् आरंम्भ किया।
- उसने कश्मीर को विजित कर वहां कनिष्कपुर नामक नगर बसाया।
- कनिष्क बौद्ध धर्म की महायान शाखा का संरक्षक था। इसके सिक्कों पर बुद्ध का अंकन हुआ है।
- कनिष्क ने कश्मीर में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- उसका उत्तराधिकारी हुविष्क था। हुविष्क के पश्चात् कनिष्क द्वितीय शासक बना जिसने सीजर की उपाधि ग्रहण की।

FREE SAMPLE

- कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था। जिसने अपना नाम भारतीय पर रख लिया। इसके सिक्को पर शिव के साथ गज की आकृति मिली हैं।
- कनिष्क के सारनाथ बौद्ध अभिलेख की तिथि 8। ई. सन् हैं। यह इसके राज्यारोहण के तीसरे वर्ष स्थापित की गई थी।

कुजुल कडफिसेस

- **मुख्य लेख : कुजुल कडफिसेस**
- कुषाणों के एक सरदार का नाम कुजुल कडफिसेस
- था। उसने क़ाबुल और कंधार पर अधिकार कर लिया।
- मथुरा में इस शासक के तांबे के कुछ सिक्के प्राप्त हुए हैं।

विम कडफिसेस

- **मुख्य लेख : विम कडफिसेस**
- विम तक्षम लगभग 60 ई. से 105 ई. के समय में शासक हुआ होगा।

कनिष्क

- मुख्य लेख : कनिष्क

कनिष्क कुषाण वंश का सबसे प्रमुख या प्रसिद्ध सम्राट कनिष्क था। भारतीय इतिहास में अपनी .....

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

whatsapp- https://wa.link/z14m96 72website- https://bit.ly/up-constable-notes

मध्यकालीन भारत

अध्याय – I

• अरबों का सिन्ध पर आक्रमण

- **मध्ययुगीन भारत**, "प्राचीन भारत" और "आधुनिक भारत" के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास की लंबी अवधि को दर्शाता है।
- पाल राजा धर्मपाल, जो गोपाल के पुत्र थे, ने आठवीं शताब्दी ए.डी. से नौवी शताब्दी ए.डी. के अंत तक शासन किया।
- धर्मपाल द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना इसी अवधि में की गई।
- अरबों का भारत पर पहला आक्रमण खलीफा उमर के काल में 636 ई .में बम्बई के थाना पर हुआ जो कि असफल रहा।
- अरबों का भारत का प्रथम सफल अभियान 712 ई .में मुहम्मद-बिन-कासिम के नेतृत्व में हुआ।
- मुहम्मद -बिन -कासिम ने दाहिर को हराकर 'सिंध' पर कब्जा कर लिया।
- कासिम ने 'मुल्तान' पर भी कब्जा कर लिया तथा इसका नाम सोने का शहर रखा।
- मुहम्मद बिन कासिम ने भारत में सर्वप्रथम जजिया कर लागू किया।
- जजिया कर इस्लाम को न स्वीकार करने वाले यानि गैर-मुस्लिमों से वसूला जाता था।
- मुहम्मद - बिन -कासिम ने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण कराया ।
- अब्बासी खलीफाओं ने बगदाद (इराक) को अरब जगत की राजधानी घोषित किया।
- खलीफा हारून रशीद ने चरक संहिता का अरबी_अनुवाद कराया।
- अरबों ने अंक, दशमलव तथा गणित के सिद्धांतों को सीखा।

मुहम्मद -बिन -कासिम के प्रमुख अभियान

- देवल या दाभोल यहीं पर सर्वप्रथम कासिम ने जजिया लगाया।

- देवल के बाद कासिम ने नीरून, सेहवान एवं सिसम पर सफल आक्रमण किया।
- सिसम जीतने के बाद कासिम ने राबर जीता। राबर में दाहिर लड़ता हुआ मारा गया।
- उसकी मृत्यु के बाद उसकी पत्नी रानीबाई ने अरबों के खिलाफ मोर्चा संभाला। परन्तु, स्वयं को हारते देखकर उसने जौहर कर लिया।
- अलोर या अरोर ब्राह्मणवाद के बाद दाहिर की राजधानी अलोर को जीता गया। अरोर विजय ही सिन्ध विजय को पूर्णता प्रदान करता है ।
- मुल्तान- अलोर विजय के बाद कासिम ने सिक्का एवं मुल्तान जीता।
- मुल्तान कासिम की अंतिम विजय थी। यहाँ से उसे इतना सारा सोना मिला कि मुल्तान का नाम सोन का नगर स्वर्ण नगर रखा गया।
- मोहम्मद बिन कासिम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला अरब मुस्लिम था ।

महमूद गजनवी -

- भारत में तुर्कों का आक्रमण दो चरणों में सम्पन्न हुआ।
- प्रथम चरण का महमूद गजनवी तो दूसरे का मोहम्मद गौरी था।
- अरबों के बाद तुर्कों ने भारत पर आक्रमण किया।
- तुर्क चीन की उत्तरी-पश्चिमी सीमाओं पर निवास करने वाली असभ्य एवं बर्बर जाति थी।
- अलप्तगीन नामक एक तुर्क सरदार ने गजनी में स्वतन्त्र तुर्क राज्य की स्थापना की।
- अलप्तगीन के गुलाम तथा दामाद सुबुक्तगीन ने 977 ई .में गजनी पर अपना अधिकार कर लिया।
- महमूद गजनी सुबुक्तगीन का पुत्र था।
- अपने पिता के काल में महमूद गजनी खुरासान का शासक था।
- सुबुक्तगीन की मृत्यु के बाद उसका पुत्र एवं उत्तराधिकारी महमूद गजनवी गजनी की गद्दी पर 998 ई .में बैठा।
- 1010 ई .में महमूद ने नगरकोट को लूटा तथा 1010 ई .में तलवाड़ी युद्ध में हिन्दुओं के संघ को परास्त किया।

FREE SAMPLE

- 1014 ई .में थानेश्वर के चक्रस्वामी मंदिर को लूटा।
- त्रिलोचनपाल एवं पंजाब के शाही शासक त्रिलोचनपाल के साथ मिलकर एक संघ का निर्माण किया था। इस संघ का प्रमुख विद्याधर था।
- विद्याधर ही वह चन्देल शासक था जो महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ और दोनों के बीच संधि हो गयी।
- 1025 ई .में गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी ने आक्रमण किया था ।
- चालुक्य शासक भीम प्रथम था गजनवी के चले जाने के बाद इस मंदिर का पुन : र्निमाण करवाया।
- 1030 ई .में महमूद गजनवी की मृत्यु हो गयी।
- अलबरूनी तथा फिरदौसी (शाहनामा के लेखक)महमूद गजनवी के दरबारी कवि थे ।
- 'तारीख-ए-यामिनी' नामक पुस्तक का लेखक उतबी था ।
- महमूद गजनी ने भारत पर कुल 17 बार आक्रमण किया ।
- सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक महमूद गजनी था । महमूद गजनी ने भारत पर आक्रमण करते समय जेहाद का नारा दिया और और अपना नाम बुतकिशन रखा ।

मुहम्मद गौरी

- मुहम्मद गौरी शंसबनी वंश का था।
- मुहम्मद गौरी का पूरा नाम शहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी था।
- ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी इसका बड़ा भाई था। ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी ने 1163 ई . गोर को राजधानी बनाकर स्वतंत्र राज्य स्थापित करा।
- 1203 ई .में ग्यासुद्दीन की मृत्यु के पश्चात् मोहम्मद गौरी ने एक स्वतंत्र शासक के रूप में मुइजुद्दीन की उपाधि धारण की तथा गोर को राजधानी बनाया।
- मुहम्द बिन कासिम के बाद महमूद गजनवी तथा उसके बाद मुहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किया तथा कत्लेआम कर लूटपाट मचाई।
- भारत में तुर्क साम्राज्य का श्रेय मुहम्द गौरी को दिया जाता हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

12 वीं शताब्दी के मध्य में गौरी वंश का.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

- **दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश-**

- **खिलजी वंश (1290-1320 ई.)**

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी (1290-98 ई.)

- कैमूर्स की हत्या कर जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने खिलजी वंश की स्थापना की।
- 1290 ई. में जलालुद्दीन ने कैकुबाद द्वारा निर्मित किलोंखरी किले में स्वयं को सुल्तान घोषित कर दिया।
- जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने उदार धार्मिक नीति अपनाई। उसने घोषणा की कि शासन का आधार शासितों (प्रजा) की इच्छा होनी चाहिए। ऐसी घोषणा करने वाला यह प्रथम शासक था। अपनी उदार नीति के कारण जलालुद्दीन ने अपने शत्रुओं को भी उच्च पद दिये थे ।

- जलालुद्दीन 70 वर्ष (सर्वाधिक वृद्ध सुल्तान) की उम्र में सुल्तान बना था।
- जलालुद्दीन फिरोज खिलजी धार्मिक सहिष्णु व्यक्ति था, लेकिन 1291-92 में सुल्तान ने ईरानी संत सीद्दी मौला को सुल्तान की आलोचना करने पर मृत्यु दंड दिया।
- 1291 ई. में जलालुद्दीन ने रणथंभौर अभियान किया लेकिन जीत नहीं हुई ।
- 1298 ई. जलालुद्दीन खिलजी की मृत्यु हो गयी ।
- वर्ष 1296 ई. में कड़ा (मानिकपुर) में जलालुद्दीन खिलजी की हत्या अलाउद्दीन खिलजी ने की थी ।
- सुल्तान बनने के बाद अलाउद्दीन ने प्रथम आक्रमण रायकर्ण (गुजरात) के शासक पर किया था ।

- **प्रमुख कवि**

  अमीर खुसरो तथा हसन् देहलवी थे ।

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.)

- अलाउद्दीन खिलजी, खिलजी वंश के दुसरे शासक थे।
- उसे अपने आपको दूसरा अलेक्जेंडर बुलवाना अच्छा लगता था।
- सिकंदर-ए-सानी की उपाधि से स्वयं को अलाउद्दीन खिलजी ने विभूषित किया ।
- अलाउद्दीन पहला मुस्लिम शासक था, जिसने दक्षिण भारत में अपना साम्राज्य फैलाया था, और जीत हासिल की थी।
- खिलजी के साम्राज्य में उनके सबसे अधिक वफादार जनरल थे मलिक काफूर और खुश्रव खान
- दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक मंगोल आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के काल में हुआ।
- अलाउद्दीन ने मंगोलों के प्रति रक्त एवं युद्ध पर आधारित अग्रगामी नीति का अनुसरण किया। ऐसा करने वाला पहला सुल्तान था।
- अलाउद्दीन ने सीरी को नयी राजधानी के रुप में विकसित किया। पहली बार दिल्ली के चारों ओर एक रक्षात्मक चार दीवारी बनायी गयी।

FREE SAMPLE

- सीमान्त प्रदेश की रक्षा लिए एक पृथक सेना और एक सीमा रक्षक का पद लाया। इस पर पहली नियुक्ति गाजी मलिक (गियासुद्दीन तुगलक) की हुई। उसे 1305 में पंजाब का सूबेदार बनाया गया।
- अलाई दरवाजा को इस्लामी वास्तुकला का रत्न कहा जाता है।
- अलाउद्दीन ने मलिक याकूब को दीवान-ए-रियासत नियुक्त किया था।
- अलाउद्दीन द्वारा नियुक्त परवाना-नवीस नामक अधिकारी वस्तुओं की परमिट जारी करता है।
- शहना-ए-मंडी यहाँ खाधान्नो को बिक्री हेतु लाया जाता था।
- सराए-ए-अदल यहाँ वस्त्र शक्कर जड़ी बूटी मेंवा दीपक का तेल एवं अन्य निर्मित वस्तुएँ बिकने के लिए आती थी।
- अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक निति की व्यापक जानकारी जियाउद्दीन बरनी की कृति तारीखे फिरोजशाही से मिलती है।
- जैमायत खाना मस्जिद अलाई दरवाजा, सीरी का किला व हजार खम्बा महल का निर्माण अलाउद्दीन ने करवाया था।
- दक्षिण भारत की विजय के अभियान के लिए अलाउद्दीन ने मलिक काफूर को भेजा।
- घोड़ा दागने एवं सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा की शुरुआत अलाउद्दीन खिलजी ने की।
- अलाउद्दीन ने भू-राजस्व की दर को बढाकर उपज का ½ भाग कर दिया।
- इसने खम्स (लुट का धन)में सुल्तान का हिस्सा ¼ भाग के स्थान पर ¾ भाग कर दिया।
- सर्वाधिक मंगोल आक्रमण अलाउद्दीन के शासन काल में हुए थे।
- घोड़े के नाल के आकार कि मेहराब का प्रयोग सर्वप्रथम अलाई दरवाजा (दिल्ली) पर किया.....

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय - 5

बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य

- इसकी स्थापना 1347 ईस्वी में तुर्की गवर्नर अलाउद्दीन हसन् बहमन द्वारा हुई।
- जिसे कि हसन् गंगू के नाम से भी जाना जाता है।

बहमनी राज्य

- वर्ष 1347 में हसन् अब्दुल मुजफ्फर अल उद्दीन बहमनशाह के नाम से राजा बना और उसने बहमनी राजवंश की स्थापना की।
- यह राजवंश लगभग 175 वर्ष तक चला और इसमें 18 शासक हुए।
- बहमनी राज्य के सर्वाधिक विशिष्ट व्यक्तित्व महमूद गवन थे, जो दो दशक से अधिक समय के लिए अमीर उल अलमारा के प्रधान राज्यमंत्री रहे।

केंद्रीय प्रशासन

- वकील-उल -सल्तनत- यह प्रधानमंत्री था। सुल्तान के सभी आदेश उसके द्वारा ही पारित होते थे।
- अमीर-ए-जुमला- यह वित्तमंत्री था।
- वजीर-ए-अशरफ- यह विदेश मंत्री था।
- वजीर-ए-कुल- यह सभी मंत्रियों के कार्यों का निरीक्षण करता था
- पेशवा- यह वकील के साथ संयुक्त रूप से कार्य करता था।
- नाजिर- यह अर्थ विभाग से संलग्न था तथा उपमंत्री की भांति कार्य करता था।
- कोतवाल- यह पुलिस विभाग का अध्यक्ष था।
- सद-ए-जाहर (राष्ट्र-ए-जहाँ)- यह सुल्तान के पश्चात् राज्य का मुख्य न्यायाधीश था तथा धार्मिक कार्यों तथा राज्य को दिये जाने वाले दान की भी व्यवस्था करता था।

प्रान्तीय शासन

- प्रान्तीय शासन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए अपने राज्य को चार सूबों में विभाजित किया।
- गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार और बीदर।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- प्रान्तीय गवर्नर अपने-अपने प्रान्त में सर्वोच्च होता था।
- मुहम्मद शाह तृतीय के समय में बहमनी साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार हुआ।
- उसके प्रधानमंत्री महमूद गवन ने प्रशासनिक सुधारों के अन्तर्गत प्रान्तों को आठ सूबों – बरार को गाविल व माहूर में, गुलबर्गा को बीजापुर व गुलबर्गा में, दौलताबाद को दौलताबाद व जुन्नार में तथा बीदर को राजामुंदी और वारंगल में विभाजित किया।

स्थापत्य कला

- गुलबर्गा तथा बीदर के राजमहल, गेसुद राज की कब्र, चार विशाल दरवाजों वाला फिरोज शाह का महल, मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा, जामा मस्जिद, बीजापुर की गोल गुम्बद तथा बीजापुर सुल्तानों के मकबरें स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने हैं।
- गोल गुम्बद को विश्व के गुम्बदों में श्रेष्ठ माना जाता है।
- गोलकुंडा तथा दौलताबाद के किले भी इसी श्रेणी में आते हैं।

विजयनगर साम्राज

स्थापना

- विजय नगर मध्य युग में दक्षिण भारत का एक हिन्दू राज्य था।
- विजयनगर साम्राज्य की राजधानी तुंगभद्रा नदी के किनारे हम्पी थी।
- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई० में हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयों ने की।

माधवारण्य इनके गुरु.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें

FREE SAMPLE

, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

मुगल साम्राज्य (1526 – 1707) –

- **जहाँगीर (1605 ई –.1627 ई.)**

- 17 अक्टूबर 1605 को अकबर की मृत्यु के पश्चात् उसका पुत्र सलीम जहाँगीर के नाम से गद्दी पर बैठा ।
- गद्दी पर बैठते ही सर्वप्रथम 1605 ई में जहाँगीर को अपने पुत्र खुसरो के विद्रोह का सामना करना पड़ा। जहाँगीर और खुसरो के बीच भेरावल नामक स्थान पर एक युद्ध हुआ, जिसमें खुसरो पराजित हुआ।
- 1585 में जहाँगीर का विवाह आमेर के राजा भगवान दास की पुत्री तथा मानसिंह की बहन मानबाई से हुआ, खुसरो मानबाई का ही पुत्र था।
- जहाँगीर का दूसरा विवाह राजा उदय सिंह की पुत्री जगत गोसाईं से हुआ था, जिसकी संतान शाहजादा खुर्रम (शाहजहाँ) था।
- मई 1611 जहाँगीर ने मेंहरुन्निसा नामक एक विधवा से विवाह किया जो, फारस के मिर्जा ग्यास बेग की पुत्री थी। जहाँगीर ने मेंहरुन्निसा को नूरमहल 'एवं' नूरजहाँ की उपाधि दी।
- जहाँगीर ने नूरजहाँ के पिता ग्यास बेग को वजीर का पद प्रदान कर एत्माद्दौला की उपाधि दी , जबकि उसके भाई आसफ खाँ को खान-ए-सामा का पद मिला।
- 1621 में जहाँगीर ने अपना दक्षिण अभियान समाप्त कर दिया क्योंकि इसके बाद वह 1623 ई. में शाहजहाँ के विद्रोह, 1626 में महावत खाँ के विद्रोह के कारण उलझ गया।
- जहाँगीर ने 1611 में खर्दा , 1615 में खोखर, 1620 में कश्मीर के दक्षिण में किश्तवार तथा 1620 में ही कांगड़ा को जीता ।

FREE SAMPLE

- जहाँगीर के शासन की सबसे उल्लेखनीय सफलता 1620 में उत्तरी पूर्वी पंजाब की पहाड़ियों पर स्थित कांगड़ा के दुर्ग पर अधिकार करना था।
- अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा का निर्माण गुजरात विजय के उपलक्ष्य में करवाया था ।
- अकबर द्वारा श्रेष्ठतम इमारतें फतेहपुर सीकरी में निर्मित करवायी थी ।
- 1626 में महावत खाँ का विद्रोह जहाँगीर के शासनकाल की एक महत्वपूर्ण घटना थी। महावत खाँ ने जहाँगीर को बंदी बना लिया था। नूरजहाँ की बुद्धिमानी के कारण महावत खाँ की योजना असफल सिद्ध हुई।
- नूर जहाँ से संबंधित सबसे महत्वपूर्ण घटना उसके द्वारा बनाया गया' जुटा गुट 'था। गुट में उसके पिता एत्माद्दौला, माता अस्मत बेगम, भाई आसफ खान और शाहजादा खुर्रम सम्मिलित थे।
- जहाँगीर ने तुजुक-ए-जहाँगीरी'नाम से अपनी आत्मकथा की रचना की। इस आत्म कथा को पूरा करने का श्रेय मौतबिंद खाँ को है ।
- जहाँगीर ने तंबाकू के सेवन पर प्रतिबंध लगाया था।
- जहाँगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार उस्ताद मंसूर था ।
- जहाँगीर के शासन काल में इंग्लैंड के सम्राट जेम्स प्रथम ने कप्तान हॉकिंस (1608) और थॉमस (1615) को भारत भेजा। जिससे अंग्रेज भारत में कुछ व्यापारिक सुविधाएँ प्राप्त करने में सफल हुए।
- नूरजहाँ की माँ अस्मत बेगम ने इत्र बनाने की विधि का आविष्कार किया।
- जहाँगीर 1612 ई.में पहली बार रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।
- अकबर सलीम को शेखूबाबा कहा करता था। उसने अकबर द्वारा जारी गो हत्या निषेध की परंपरा को जारी रखा।
- जहाँगीर ने सूरदास को अपने दरबार में आश्रय दिया था, जिसने सूरसागर 'की रचना की।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- जहाँगीर के शासन काल में कला और साहित्य का अप्रतिम विकास हुआ। नवंबर 1627 में जहाँगीर की मृत्यु हो गई। उसे लाहौर के शाहदरा में रावीनदी के किनारे दफनाया गया।
- जहाँगीर को न्याय की जंजीर के लिए यद् किया जाता है। यह जंजीर सोने की बनी थी, जो आगरा के किले के शाहबुर्ज एवं यमुना तट पर स्थित पत्थर के खम्बे में लगवाई हुई थी।
- खुसरो को सहायता देने के कारण जहाँगीर ने सिक्खों के 5 वें गुरु अर्जुनदेव को फांसी दिलवा दी खुसरो गुरु से गोइंदवाल में मिला था।
- अहमद नगर के वजीर मलिक अम्बर के विरुद्ध सफलता से खुश होकर जहाँगीर ने खुर्रम को शाहजहाँ की उपाधि प्रदान की।
- बलबन द्वारा प्रारम्भ किया गया दरबारी रिवाज सिजदा एवं पैबोस मुगल बादशाह शाहजहाँ ने समाप्त कर दिया था।
- शाहजहाँ को कोहिनूर हीरा मीर जुमला द्वारा उपहार में दिया गया था।
- जब्ता प्रणाली मुगल शासक द्वारा प्रारम्भ की गई थी।
- लीलावती नामक गणित की पुस्तक का फारसी भाषा में अनुवाद फैजी ने किया था।
- अकबर ने जरी कलम की उपाधि मोहम्मद हुसैन को प्रदान की थी।
- ग्वालियर में स्थित गुजरी महल मानसिंह द्वारा बनवाया गया था।
- मुगल चित्र कला अपने चरमोत्कर्ष पर जहाँगीर के शासन काल में पहुँची।
- जहाँगीर के दरबार के प्रमुख चित्रकार थे – आगा रजा, अबुल हसन्, मुहम्मद नासिर, मुहम्मद मुराद, उस्ताद मंसूर, विशनदास, मनोहर एवं गोवर्धन, फारुख बेग, दौलत।
- जहाँगीर ने आगा रजा के नेतृत्व में आगरा में एक चित्रणशाला की स्थापना की।
- प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन का मकबरा ग्वालियर में स्थित है।
- रामचन्द्रिका एवं रसिकप्रिया की रचना केशव दास ने की थी।
- हमजा नामा का विषय चित्रकला है।
- उस्ताद मंसूर एवं अबुल हसन् को जहाँगीर ने क्रमश : नादिर – अल उस एवं नदिरुज्जमा की उपाधि प्रदान की इसने संस्कृत के कवि जगन्नाथ को पंडितराज की उपाधि दी।

FREE SAMPLE

- जहाँगीर के समय को चित्रकला का स्वर्ण काल कहा जाता है।
- जहाँगीर के मकबरें का निर्माण नूरजहाँ ने करवाया था।
- इतमाद-उद-दौला का मकबरा 1626 ई. में नूरजहाँ ने बनवाया था।

शाहजहाँ (1627 ई.-1658 ई.)

- शाहजहाँ (खुर्रम) का जन्म 1592 में जहाँगीर की पत्नी जगत गोसाईं से हुआ।
- जहाँगीर की मृत्यु के समय शाहजहाँ दक्कन में था। जहाँगीर की मृत्यु के बाद नूरजहाँ ने लाहौर में अपने दामाद शहरयार को सम्राट घोषित कर दिया।
- 4 फरवरी 1628 ई. को शाहजहाँ आगरा में अबुल मुजफ्फर शहाबुद्दीन मुहम्मद साहिब किरन - ए -सानी की उपाधि प्राप्त कर सिंहासन पर बेठा।
- शाहजहाँ का विवाह 1612 ई में आसफ की पुत्री और नूरजहाँ की भतीजी' अर्जुमंद बानो बेगम' से हुआ था, जो बाद में इतिहास में मुमताज महल के नाम से विख्यात हुई।
- दीन-ए-इलाही धर्म को स्वीकार करने वाला एकमात्र हिन्दू बीरबल था
- जैन संत आचार्य हरिविजय सूरी को अकबर द्वारा जगत गुरु की उपाधि दी गई।
- शाहजहाँ को मुमताज महल को 14 संताने हुई लेकिन उनमें से चार पुत्र और तीन पुत्रियाँ ही जीवित रहें। चार पुत्रों में दारा शिकोह, औरंगजेब, मुराद बख्श और शुजा थे, जबकि रोशनआरा, गौहन आरा, और जहाँ आरा पुत्रियाँ थी।
- शाहजहाँ के शासन काल में सिक्खों के छठे गुरु हरगोविंद सिंह से मुगलों का संघर्ष हुआ जिसमें सिक्खों की हार हुई।
- बीरबल अकबर के नवरत्नों में सबसे बुद्धिमान माना जाता था। इनका जन्म 1528 ई. में कालपी के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- अबुल फजल सूफी शेख मुबारक के पुत्र थे। इनका जन्म 1550 ई. में हुआ था। इन्होंने आईने-अकबरी व अकबरनामा की रचना की थी।
- मुल्ला-दो-प्याजा अपनी बुद्धिमानी व वाकपटुता के कारण ये अकबर के नवरत्नों में शामिल किये गये।
- शाहजहाँ ने दक्षिण भारत में सर्वप्रथम अहमदनगर पर आक्रमण कर के 1633 में उसे मुगल साम्राज्य में मिला लिया।

- मोहम्मद सैय्यद (मीर जमला), गोलकुंडा के वजीर ने, शाहजहाँ को कोहिनूर हीरा भेंट किया था।
- नगीना मस्जिद आगरा में स्थित है जो शाहजहाँ ने.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय – I

यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

भारत में आने वाली यूरोपीय कम्पनियों का क्रम

पुर्तगाली – डच – ब्रिटिश - डेनिश - फ्रांसीसी - स्वीडस

वास्कोडिगामा

- यूरोपीय शक्तियों में पुर्तगाली कम्पनी ने भारत में सबसे पहले प्रवेश किया। भारत में आने के लिए इन्होंने नए समुद्री मार्ग की खोज की।
- पुर्तगाली व्यापारी वास्कोडिगामा ने 17 मई 1498 में भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित बंदरगाह कालीकट पहुँच कर की।
- बन्दरगाह पर कथडाबू नामक स्थान पर पहुंचा। वास्कोडिगामा का स्वागत कालीकट के शासक जमोरिन ने किया।
- नोट :- पेट्रो अब्रेज केब्रोल भारत पहुंचने वाला दूसरा पुर्तगाली था।
- 1502 ई. में वास्कोडिगामा पुनः भारत आया था।
- पुर्तगाली:- 1503 में पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्ट्री कोचीन में स्थापित की थी।
- दूसरी फैक्ट्री की स्थापना 1505 ई. में कन्नूर में की गई।

फ्रांसिस्को डी. अल्मोड़ा [1505 – 1509]

- फ्रांसिस्को डी. अल्मोड़ा भारत में प्रथम पुर्तगाली गवर्नर/वायसराय बनकर आया था।
- इसने 1509 में मिस्त्र, तुर्की व गुजरात की संयुक्त सेना को पराजित कर दीव पर अधिकार कर लिया। इसे पुर्तगाली सरकार ने आदेश दिया था की यह भारत में ऐसे दुर्ग का निर्माण करे जिनका उद्देश्य बस केवल सुरक्षा न होकर हिन्द महासागर के व्यापार पर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पुर्तगाली नियत्रण स्थापित करना भी हो (उसके द्वारा अपनाई निति **नीले या शांत जल की निति** कहलाई)

- यह पॉलिसी हिन्द महासागर के व्यापार पर पुर्तगीज नियंत्रण स्थापित करने के लिए अल्मेड़ा ने शुरु की थी।
- पुर्तगाल की राजधानी –लिसवन

अल्फांसो डी० अल्बुकर्क (1509 - 1515)

- भारत में पुर्तगाली शक्ति की वास्तविक नींव डालने वाला अल्फांसो डी. अल्बुकर्क था।
- जो सर्वप्रथम 1509 ई. में भारत आया और उसी समय (1509 ईस्वी) उसने कोचीन में पुर्तगालियों के प्रथम - दुर्ग का निर्माण करवाया ।
- 1509 ई० में अल्बुकर्क भारत में पुर्तगालियों का गवर्नर नियुक्त हुआ।
- 1510 ई० पुर्तगालियों ने गोवा के बन्दरगाह पर अधिकार कर लिया, जो उस समय बीजापुर के यूसुफ आदिल शाह सुल्तान के अधीन था।
- 1511 ई० में अल्बुकर्क ने मलक्का और 1515 ई० में फारस की खाड़ी में अवस्थित हरमुज बन्दरगाह पर अधिकार कर लिया ।
- अल्बुकर्क ने अपने क्षेत्र में सती प्रथा बन्द करवा दी।
- अल्बुकर्क राजाराम मोहन राय का पूर्व गामी था।
- पुर्तगीजों को भारतीय स्त्रियों से विवाह के लिए अल्बुकर्क ने प्रोत्साहित किया ।
- अल्बुकर्क ने पुर्तगीज सेना में भारतीयों की भर्ती प्रारम्भ की।

निन्हो डी० कुन्हा (1529-1538)

- अल्बुकर्क के बाद दूसरा महत्वपूर्ण पुर्तगाली गवर्नर निन्हों डी० कुन्हा था। जिसने 1529 ई. में भारत में कार्य भार ग्रहण किया ।
- कुन्हा ने 1530 ई. में शासन का प्रमुख केन्द्र कोचीन के स्थान पर गोवा को बनाया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- कुन्हा ने दमन, सालसेट, चौल, बम्बई सेन्टटॉमस, मद्रास और हुगली में पुनः अपने केन्द्र स्थापित किये।
- कुन्हा ने हुगली और सेंट टोमें मद्रास के पास पुर्तगाली बस्तियों को स्थापित किया।
- भारत में प्रथम पादरी फ्रांसिस्को जेवियर का आगमन पुर्तगाली गवर्नर मार्टिन डिसूजा 1542-1545 के समय हुआ।
- मुगल शासक अकबर के दरबार में दो पुर्तगाली इसाई पादरियों मोंसरेट तथा फादर एकाबिवा का आगमन हुआ।
- भारत में तंबाकू की खेती जहाज निर्माण तथा प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत पुर्तगालियों के आगमन के पश्चात्य हुई।
- पुर्तगालियों ने ही सन् 1556 में प्रथम प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना की।

1661 ई० में तत्कालीन ब्रिटिश सम्राट (अंग्रेज) चार्ल्स द्वितीय ने पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन से विवाह कर लिया और पुर्तगालियों ने चार्ल्स द्वितीय को मुम्बई द्वीप दहेज में दे.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय - 4

1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन

राजनीतिक - धार्मिक आंदोलन -

फकीर विद्रोह (1776-77)

- यह विद्रोह बंगाल में विचरणशील मुसलमान धार्मिक फकीरों द्वारा किया गया था।
- इस विद्रोह के नेता मजनू शाह ने अंगेजी सत्ता को चुनोती देते हुए जमीदारों और किसानों से धन इक्कठा करना आरम्भ कर दिया।
- मजनू शाह की मृत्यु के बाद चिराग अली शाह ने आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

सन्यासी विद्रोह (1770 - 1820)

- संन्यासी विद्रोह भारत की आज़ादी के लिए बंगाल में अंग्रेज़ हुकूमत के विरुद्ध किया गया एक प्रबल विद्रोह था।
- संन्यासियों में अधिकांश शंकराचार्य के अनुयायी थे।
- इतिहास प्रसिद्ध इस विद्रोह की स्पष्ट जानकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' में मिलती है।

पागलपंथी विद्रोह (1813 - 33)

- उत्तर पूर्वी भारत में प्रभावी पागलपंथी एक धार्मिक पंथ था।
- उत्तर पर्वी क्षेत्र में हिन्दू मुसलमान और गारो तथा जांग आदिवासी इस पंथ के समर्थक थे।
- इस क्षेत्र में अंग्रेजों द्वारा क्रियान्वित भू-राजस्व तथा प्रसासनिक व्यवस्था के कारण व्यापक असंतोष था।
- इस विद्रोह को 1833 ई. में दबा दिया गया।

FREE SAMPLE

वहाँबी आंदोलन (1820 – 70)

- वहाँ बी आंदोलन मूलतः एक इस्लामिक सुधारवादी आंदोलन था। जिसने कालांतर में मुस्लिम समाज में व्याप्त अन्धविश्वास एवं कुरीतियों के उन्मूलन को अपना उद्देश्य बनाया।
- इस आंदोलन के संस्थापक अब्दुल वहाँ ब के नाम पर इसका नाम वहाँ बी आंदोलन पड़ा।
- सैय्यद अहमद बरेलवी ने भारत में इस आंदोलन को प्रेरणा प्रदान की

कूकाविद्रोह

- कूका विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- पश्चिमी पंजाब में 'कूका विद्रोह' की शुरुआत लगभग 1840 ई. में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गयी थी।
- भगत जवाहर मल को 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था।
- 1872 ई. में इसके एक नेता 'रामसिंह' को रंगून निर्वासित.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 6

गाँधी युग और असहयोग आंदोलन

- 1916 ई. के लखनऊ अधिवेशन में एनीबेसेंट के सहयोग से कांग्रेस के उदारवादी और उग्रवादी एक हो गए।
- भारत में होमरूल आंदोलन एनीबेसेंट ने आरम्भ किया।
- महात्मा गाँधी ने पहली बार भूख हड़ताल अहमदाबाद मिल मजदूरों के हड़ताल (1918 ई.) के समर्थन में की थी।
- गाँधी जी ने 1918 ई. में गुजरात में कर नहीं आंदोलन चलाया। गाँधी जी ने इस कानून के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी हड़ताल करवायी।
- दक्षिणी अफ्रीका से भारत आने के बाद गाँधी जी अपना प्रथम सत्याग्रह चम्पारण (बिहार) में किया।
- 1920 ई. के कांग्रेस के विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता लाला लाजपत राय नी की थी जिसमें असहयोग के प्रस्ताव को रखा गया था।
- रौलेट एक्ट को बिना वकील ,बिना अपील, बिना दलील के कानून के नाम से जाना जाता है।
- लॉर्ड चेम्सफोर्ड के शासन काल में गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया था।
- भारत में असहयोग आंदोलन 1920 में शुरू हुआ था।
- रौलेट एक्ट पारित हुआ उस समय भारत के वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड थे।
- अनटू दिस लास्ट नामक पुस्तक के लेखक जॉन रस्किन हैं।
- गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल थे।
- 5 फरवरी 1922 ई. को उत्तर प्रदेश के देवरिया जिलें के चौरी चौरा नामक स्थान पर असहयोग आंदोलन कारियों ने क्रोध में आकर थाने में आग लगा दी। जिससे एक थानेदार एवं 21 सिपाहियों की मृत्यु हो गयी। इस घटना से दुःखी होकर गाँधी जी 11 फरवरी 1922 ई. को असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- स्वामी श्रद्धानन्द ने रौलेट एक्ट के विरोध में लगान न देने के लिए आंदोलन चलने का विरोध किया।
- उड़ीसा के अकाल काल को ब्रिटिश काल के दौरान पड़े अकाल को प्रकोप का समुद्र कहा जाता है।
- 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर में जलियाँवाला बाग हत्या कांड हुआ। इस जनसभा में जनरल डायर ने अन्धाधुन्ध गोलियां चलवाई। इस हत्या कांड ने लगभग 1000 लोग मारे गए। इस हत्या कांड में हंसराज नामक भारतीय ने डायर को सहयोग दिया था।
- इस हत्या कांड के विरोध में महात्मा गाँधी ने केसर – ए - हिन्द की उपाधि, जमना लाल बजाज ने राय बहादुर , रवींद्रनाथ टैगोर ने सर ,(नाईटहुड) की उपाधि वापस लौटा दी।
- जलियाँवाला बाग हत्या कांड की जाच के लिए सरकार ने अक्टूबर , 1919 ई. में लॉर्ड हंटर की अध्यक्षता में एक कमेंटी का गठन किया। इसमें पांच अंग्रेज एवं तीन भारतीय (सर चिमन लाल सीता लवाड ,साहबजादा सुल्तान अहमद , एवं जगत नारायण)सदस्य थे।
- जनरल डायर की हत्या उधमसिंह ने लंदन में की थी।
- जलियाँवाला बाग कभी जल्ली नामक व्यक्ति की सम्पति थी।
- रौलेट एक्ट को काला कानून तथा आतंकवादी और अपराध कानून कहा गया है।
- रौलेट एक्ट को 18 मार्च 1919 को कानूनी रूप दिया गया।
- रौलेट एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन ही महात्मा गाँधी का भारत में पहला राजनीतिक आंदोलन था। अर्थात् उनकि राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत थी।
- रौलेट एक्ट के अनुसार किसी भी संदेहास्पद व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये गिरफ्तार किया जा सकता था। और उसके विरुद्ध न कोई अपील न कोई दलील और न कोई वकील किया जा सकता था। गाँधी जी ने इस कानून के के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी सत्याग्रह की तारीख तय की
- "बाल गंगाधर तिलक ने कहा होमरूल मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है" और इसे मैं लेकर रहूँगा।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय राजनीति का शांतिकाल प्रथम विश्वयुद्ध के.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

1945 -1947 के बीच का भारत:

- वैवेल योजना - जून 1945
- आजाद हिंद फौज एवं लाल किला मुकदमा –नवम्बर 1945
- शाही भारतीय नौसेना विद्रोह –फरवरी 1946
- कैबिनेट मिशन – मार्च 1946
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली की घोषणा –20 फरवरी 1947
- माउंटबेटन योजना –3 जून 1947

वैवेल योजना - (1945) वायसराय वैवेल ने 1945 में एक राजनीतिक सुधार की योजना प्रस्तुत की जिसे वेवेल योजना के नाम से जाना जाता है। इस योजना के अनुसार वायसराय के कार्यकारिणी का पुर्नगठन किया जाना था। इस उद्देश्य से राजनीतिक नेताओं को जेल से रिहा किया गया और जून 1995 में शिमला में एक सम्मेलन बुलाया गया।

ब्रिटिश सरकार इन राजनीतिक सुधारों के लिए इसलिए उत्साहित थी कि 1945 में इंग्लैंड में चुनाव होने वाले थे और वहाँ की सरकार यह प्रदर्शित करना चाहती थी कि वह भारत में समस्या समाधान के प्रति गंभीर है।

वैवेल योजना के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधान रखे गए :

(i) वायसराय एवं कमांडर-इन चीफ को छोड़कर वायसराय की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे और परिषद में हिंदू मुसलमानों की संख्या बराबर रखी जाएगी।

(ii) वायसराय वीटो पावर के प्रयोग का प्रयास नहीं करेगा।

इस योजना के संदर्भ में मुस्लिम लीग चाहती थी कि उसे ही भारत मुसलमानों का एक मात्र दल माना जाए वायसराय की कार्यकारिणी में मुस्लिम लीग के बाहर का कोई मुसलमान नहीं होना चाहिए।

FREE SAMPLE

दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस सूची के लिए दो मुस्लिम सदस्यों -मौलाना आजाद एवं अब्दुलगफ्फार खाँ को नियुक्त किया जिसका जिन्ना ने विरोध किया। अतः वायसराय वैवेल ने जिन्ना की आपत्ति देखते हुए सम्मेलन को असफल घोषित कर समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने जिन्ना के मन को इसलिए स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से कांग्रेस एक साम्प्रदायिक दल अर्थात् हिंदू दल के रूप में जाना जाता और भारत के मुसलमानों का एकमात्र दल मुस्लिम लीग को माना जाता । इससे मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की माँग और मजबूत हो जाती ।

आजाद हिन्द फौज)भारतीय राष्ट्रीय सेना-INA) :- INA की स्थापना 1942 में मोहन सिंह ने की थी। जापानी मेजर फूजीवारा ने मोहन सिंह को इसके गठन का सुझाव दिया था । उन्होनें मोहन सिंह से कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए जापानियों के साथ मिलकर कार्य करें । वस्तुत मोहन सिंह ब्रिटिश सेना में एक भारतीय सैन्यअधिकारी थे और जब ब्रिटिश सेना दक्षिण पूर्व एशिया से पीछे रह रही थी तो मोहन सिंह जापानियों के साथ हो गए। इसी क्रम में । सितम्बर 1942 को मोहन सिंह के अधीन मलाया में INA का गठन हुआ।

- INA का दूसरा चरण उस समय आया जब सुभाष चन्द्र बोस 2 जुलाई 1943 में सिंगापुर पंहुचे और वहां से उन्होनें "दिल्ली चलो" का नारा दिया । यहाँ क्रांतिकारी नेता रास बिहारी बोस ने उन्हें सहयोग दिया। अतः सुभाष चन्द्रबोस ने 21 अक्तूबर 1943 आजाद हिंद फौज के नाम से एक अस्थायी सरकार का गठन किया। इसका मुख्यालय सिंगापुर के साथ-साथ रंगून)म्यांमार (में भी बनाया गया ।
- बोस की सरकार ने Uk और USA के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी और गांधी, नेहरू एवं सुभाष नामक सैन्य टुकड़ी का गठन किया तो महिलाओं के लिए रानी झाँसी रेजिमेंट का गठन किया ।
- जुलाई 1944 में सुभाष चन्द्र बोस ने एक रेडियो संदेश में कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतिम युद्ध शुरू हो चुका हमारे राष्ट्रपिता भारतीय स्वतंत्रता के इस युद्ध में हमें आपका आशीर्वाद चाहिए।

- शहनवाज खान के नेतृत्व में INA की सैन्य टुकड़ी जापानियों के साथ मिलकर भारत -बर्मा सीमा पर हमला करने के लिए इंफाल भेजी गयी किंतु जब जापानियों की विश्व युद्ध में पराजय होने लगी तब उनके साथ-साथ आजाद हिंद फौज के सैनिकों को भी आत्मसमर्पण करना पड़ा और उन पर मुकदमा चला।

लाल किला मुकदमा (नवम्बर 1945):

- आजाद हिंद फौज के बंदी सैनिकों पर ब्रिटिश सरकार द्वारा लाल किले में मुकदमा चलाया गया। फ़ौज के शाहनवाज खान, गुरुबख्श सिंह ढिल्लो एवं प्रेम कुमार सहगल को एक ही कठघरे में खड़ा किया गया। नेहरू ने सरकार से इन गुमराह देश भक्तों के प्रति उदारता दिखाने की अपील की। इसी क्रम में कांग्रेस ने सैनिकों के बचाव हेतु एकआजाद हिंद फौज समिति का गठन किया।
- लाल किले मुकदमे में बचाव पक्ष का नेतृत्व 'भूलाभाई देसाई' कर रहे थे। नेहरू ने इस मुकदमे के दौरान 25 वर्ष पश्चात् काली कोट पहनी।

लाल किले मुकदमे के संदर्भ में कैदियों को सभी राजनीतिक दलो जैसे -कांग्रेस, मुस्लिम लीग, कम्युनिस्ट पार्टी आदि का.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – I

संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय

भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक

शास्त्रीय नृत्य	सम्बन्धित राज्य	प्रमुख नर्तक
भरतनाट्यम	तमिलनाडु	यामिनी कृष्णामूर्ति , टी बाला सरस्वती , रुक्मिणी देवी , सोनल मानसिंह , मृणालिनी साराभाई , वैजयन्ती माला , हेमामालिनी
कथकली	केरल	मृणालिनी साराभाई , गुरु शंकरन , नम्बूदरीपाद , शंकर कुरुप , के सी पणिक्कर
मोहिनीअट्टम	केरल	भारती शिवाजी , तंकमणि शांताराव
कुचिपुड़ी	आन्ध्र प्रदेश	यामिनी कृष्णमूर्ति , राधा रेड्डी , राजा रेड्डी , स्वप्न सुन्दरी
कत्थक	उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान	बिरजू महाराज , अच्छन महाराज , गोपीकृष्ण , सितारा देवी , रोशन कुमारी , उमा शर्मा
ओडिसी	ओडिशा	प्रोतिमा देवी , संयुक्ता पाणिग्रही , सोनल मानसिंह , केलुचरण महापात्र , माधवी मुद्गल
मणिपुरी	मणिपुर	सूर्यमुखी देवी , गुरु विपिन सिंह

भारत के प्रमुख लोकनृत्य

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राज्य	लोकनृत्य
असम	बिहू, खेलगोपाल , कलिगोपाल , बोई साजू , नटपूजा मीटू ।
पंजाब	कीकली , भाँगड़ा , गिद्दा
हिमाचल प्रदेश	जद्दा , नाटी , चम्बा , छपेली
हरियाणा	धमाल , खोरिया , फाग , डाहीकल
महाराष्ट्र	लेजिम , तमाशा , लावनी , कोली
जम्मू - कश्मीर	दमाली , हिकात , दण्डी नाच , राऊ , लडाखी
राजस्थान	गणगौर , झूमर , घूमर , झूलन लीला
गुजरात	गरबा , डाण्डिया रास , पणिहारी , रासलीला , लास्या , गणपति भजन
बिहार	जट - जाटिन , घुमकड़िया , कीर्तनिया , पंवारियाँ , सोहराई , सामा , चकेवा , जात्रा
उत्तर प्रदेश	डांगा , झींका , छाऊ , लुझरी , झोरा , कजरी , नौटंकी , थाली , जद्दा
केरल	भद्रकली , पायदानी , कुड़ीअट्टम , कालीअट्टम , मोहिनीअट्टम
पश्चिम बंगाल	करणकाठी , गम्भीरा , जलाया , बाउल नृत्य , कथि , जात्रा
नागालैण्ड	कुमीनागा , रेंगमनागा , लिम , चोंग , युद्ध नृत्य , खेवा
मणिपुर	संकीर्तन , लाईहरीबा , थांगटा की तलम , बसन्तराम , राखाल

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मिजोरम	चेरोकान , पाखुलिया नृत्य
झारखण्ड	सुआ , पंथी , राउत , कर्मा , फुलकी डोरला , सरहुल , पाइका , नटुआ , छऊ
ओडिशा	अग्नि , डंडानट , पैका , जदूर , मुदारी , आया , सवारी , छाऊ
उत्तराखण्ड	चांचरी / झोड़ा , छपेली , छोलिया , झुमैलो , जागर , कुमायूँ नृत्य
कर्नाटक	यक्षगान , भूतकोला , वीरगास्से , कोडावा
आन्ध्र प्रदेश	घण्टामर्दाला , बतकम्मा , कुम्मी , छड़ी , सिद्धि माधुरी
छत्तीसगढ़	सुआ करमा , रहस , राउत , सरहुल , बार , नाचा , घसिया बाजा , पंथी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

प्रसिद्ध वाद्य यन्त्र एवं वादक

वाद्य यन्त्र	वादक
बाँसुरी	हरिप्रसाद चौरसिया , रघुनाथ सेठ , पन्नालाल घोष , प्रकाश सक्सेना , देवेन्द्र मुक्तेश्वर , प्रकाश बढ़ेरा , राजेन्द्र प्रसन्ना
वायलिन	बालमुरली कृष्णन , गोविन्दस्वामी पिल्लई , टी एन कृष्णन , आर पी शास्त्री , सन्दीप ठाकुर , बी शशि कुमार , एन राजम
सरोद	अली अकबर खाँ , अलाउद्दीन खाँ , अशोक कुमार राय , अमजद अली खाँ
सितार	पं । रविशंकर , उस्ताद विलायत खाँ
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ , शैलेश भागवत , अनन्त लाल , भोलानाथ तमन्ना , हरिसिंह
तबला	अल्ला रक्खा , जाकिर हुसैन , लतीफ खाँ , गुदई महाराज , अम्बिका प्रसाद

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हारमोनियम	रवीन्द्र तालेगांवकर , अप्पा जुलगावकर , महमूद बह्मस्वरूप सिंह , एस । बालचन्द्रन , असद अली , गोपालकृष्ण
वीणा	पं । शिवकुमार शर्मा , तरुण भट्टाचार्य
सारंगी	पं । रामनारायण , ध्रुव घोष , अरुण काले , आशिक अली खाँ , वजीर खाँ , रमजान खाँ
गिटार	विश्वमोहन भट्ट , ब्रजभूषण काबरा , केशव तालेगांवकर , नतिन मजूमदार

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **मुगलकालीन प्रमुख इमारतें -**

जामा मस्जिद -

- यह लाल पत्थर से निर्मित है। ! इस मस्जिद को फतेहपुर सीकरी का गौरव कहा गया है। फर्ग्यूसन ने इसे पत्थरों की रुमानी कथा कहा है।

शेख सलीम चिश्ती का मकबरा

- अकबर ने इसका निर्माण लाल पत्थर से करवाया परंतु जहांगीर व शाहजहां ने इसे तुड़वाकर संगमरमर से निर्मित करवा दिया गया।

इस्लाम खा का मकबरा

- सर्वप्रथम वर्गाकार मेहराब का प्रयोग इसी मकबरे में किया गया है।

जोधाबाई का महल

- यह फतेहपुर सीकरी की सबसे बड़ी आवासीय इमारत है।

तुर्की सुल्तान की कोठी

- यह अकबर की प्रथम पत्नी रुकैया बेगम का महल था। पर्सी ब्राउन ने इसे मुगल स्थापत्य का रतन कहां है।

मरियम महल

- अकबर की माता हमीदा बानो का महल था। हमीदा बानो मरियम मकानी के नाम से प्रसिद्ध है।
- अकबर ने इसमें हिंदू देवी-देवताओं के चित्र बनवाएं थे जिन्हें बाद में औरंगजेब ने चूने से पुतवा दिया गया।
- इसका उल्लेख इटली के मनुची ने अपनी पुस्तक स्टीरियो डी मोगर में किया।

मरियम का महलः जोधाबाई महल के.....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अर्थशास्त्र

अध्याय – I

अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ

अर्थशास्त्र :-

अर्थशास्त्र का अर्थ होता है धन संबंधी एवम शास्त्र का अर्थ होता है अध्ययन। अंततः धन से संबंधित अध्ययन की प्रणाली को ही हम अर्थशास्त्र कहते हैं।

अर्थव्यवस्था

किसी राष्ट्र द्वारा आपने नागरिकों की सामाजिक – आर्थिक स्थिति में सुधार करने के उद्देश से , उपलब्ध संसाधनों का समुचित नियोजन करते हुए, मुद्रा (money) को केंद्र में रख कर बनाई गई व्यवस्था ही अर्थव्यवस्था कहलाती है /

'अर्थव्यवस्था' शब्द को किसी देश के साथ जोड़ कर प्रायः पूर्ण बनाया जाता है, जैसे – भारतीय अर्थ व्यवस्था, अमेरिका अर्थव्यवस्था आदि/

अर्थव्यवस्था अर्थशास्त्र में व्यापक रूप से प्रयोग होने वाली अवधारणा है जिसका अभिप्राय किसी क्षेत्र विशेष में प्रचलित आर्थिक क्रियाओं की प्रकृति एवं उनके स्तर से होता है / वह क्षेत्र एक गाँव, राज्य देश या सम्पूर्ण देश हो सकता है/

A. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy):-

जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व पाया जाता है तथा वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन निजी लाभ के लिए किया जाता है उसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं।

अर्थात् यहाँ आर्थिक गतिविधियों पर सरकार का न्यूनतम नियंत्रण होता है तथा निजी क्षेत्र अधिक प्रभावकारी एवं स्वतंत्र होता है

FREE SAMPLE

समाजवाद अर्थव्यवस्था –

समाजवाद का विचार सबसे पहले **कार्ल मार्क्स और फ्रेड्रिक एंगेल्स** ने अपनी पुस्तक **'द कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो** में प्रस्तुत किया है।

समस्त आर्थिक गतिविधियों का संचालन एवं नियंत्रण सरकार द्वारा किया जाता है।

यह उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व की संकल्पना को लेकर चलती है तथा इसमें बाजार की शक्तियाँ कम प्रभावी रहती हैं, जैसे- भूतपूर्व सोवियत संघ।

मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) :-

- यहाँ, उत्पादन की कुछ योजनाएं राज्य द्वारा सीधे या इसके राष्ट्रीयकृत उद्योगों के माध्यम से शुरू की जाती है, और कुछ कोनिजी उद्यम के लिए छोड़ दिया जाता है।
- इसका अर्थ है कि समाजवादी क्षेत्र (यानी सार्वजनिक क्षेत्र) और पूंजीवादी क्षेत्र (यानी निजी क्षेत्र) दोनों एक-दूसरे के साथ हैऔर एक-दूसरे के पूरक है।
- इसे बाजार की अर्थव्यवस्था और समाजवाद के बीच आधे घर के रूप में वर्णित किया जा सकता है।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था में, सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान आर्थिक नियंत्रण का प्रयोग करते हैं। इसलिए, इस प्रकार कीअर्थव्यवस्था पूंजीवाद और समाजवाद दोनों के लाभों को सुरक्षित करने का प्रयास करती है।

विकसित अर्थव्यवस्था एवं अल्पविकसित / विकासशील अर्थव्यवस्था के लक्षण	
विकसित अर्थव्यवस्था	अल्पविकसित /विकासशील अर्थव्यवस्था
प्रति व्यक्ति आय का उच्च स्तर	प्रति व्यक्ति आय का निम्न स्तर
पूंजी निर्माण की उच्च दर	पूंजी निर्माण की निम्न दर
विकसित उत्पादकता दर	बेरोजगारी
आधुनिक तकनीकों का प्रयोग	निम्न उत्पादकता
विकसित मानव पूंजी	व्यापक गरीबी
गरीबी व बेरोजगारी की निम्न दर	कृषि पर निर्भरता अधिक

FREE SAMPLE

आधुनिक आधारभूत ढाँचा	आधारित अवसंरचना की कमी
जनसंख्या में नियंत्रित दर से संवृद्धि	जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
शिक्षा एवं स्वास्थ्य का बेहतर ढाँचा	मानव पूंजी का कम विकास
कृषि पर कम निर्भरता	उन्नत प्रौद्योगिकी का अभाव

अर्थव्यवस्था के क्षेत्रकः-

प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector):-

- अर्थव्यवस्था का यह क्षेत्र जहाँ प्राकृतिक संसाधनों को कच्चे तौर पर प्राप्त किया जाता है अर्थात् इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के प्राकृतिक क्षेत्रों का लेखांकन किया जाता है प्राथमिक क्षेत्र कहलाता है।
- इसे कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियों से संबंधित क्षेत्र भी कहा जाता है।

इसमें निम्न क्षेत्र शामिल हैं। जैसे- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, मत्स्य पालन, वानिकी, खनन एवं उत्खनन.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 6

वस्तु एवं सेवा कर

GST (GOODS & SERVICES TAX)

- GST की नीव आज से 16 वर्ष पहले रखी गयी थी,इसके बाद वर्ष में 2007 से 2010 तत्कालीन भारत सरकार मेंGST लागू करने का प्रस्ताव रखा था
- मार्च में लोकसभा में इसे पेश किया गया। दिसम्बर 2014में एक बार फिर से GST विधेयक संसद में पेश किया गया तथा मई 2015में इसे लोकसभा में पारित किया गया।
- राज्यसभा में मंजूरी मिलने के बाद यह संविधान का 122वां संशोधन कहलाया ।
- पूरे देश में इसको 1 जुलाई 2017 से लागू किया गया है ।
- Gst – भारत का सबसे बड़े कर सुधार का सफ़र

वर्ष 2002

वर्ष 2002 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में तत्कालीन वित्त मंत्री जसवंत सिंह ने देश में कर सुधारों के लिए दो समितियाँ बनाई। इन दोनों समितियों का अध्यक्ष विजय केलकर को बनाया गया ।

प्रत्यक्ष करों में केलकर कार्यबल

अप्रत्यक्ष करों में केलकर कार्यबल

वर्ष 2003

वर्ष 2003 में केलकर कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी , जिसमें gst व्यवस्था को आपने की सिफारिश की गई थी ।

FREE SAMPLE

वर्ष 2006

वित्तीय वर्ष 2006 – 07 में श्री मन मोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में तत्तकालीन वित्त मंत्री श्री. पी. चिदंबरम ने gst के विषय पर विचार – विमर्श प्रारम्भ किया और 28 फरवरी 2006 को वित्तीय वर्ष 2006 – 07 के लिए अपने बजट भाषण में यह प्रस्तावित किया था कि gst को 1 अप्रैल 2010 से लागू किया जाएगा/

वर्ष 2009

असीम दास गुप्ता की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति द्वारा नवंबर 2009 में gst पर प्रथम चर्चा पत्र जारी किया गया / इस प्रथम चर्चा पत्र में प्रस्तावित gst की विशिष्टताएँ बताई गई और वर्तमान gst के लिए तंत्र के लिए आधार बनाया गया/

वर्ष 2011

वर्ष 2011 में श्री मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी द्वारा 115 वाँ संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में लाया गया एवं इसे वित्त मामलों संबंधित संसदीय स्थायी समिति के पास विचार – विमर्श के लिए भेजा गया /

वर्ष 2014

मार्च 2014 में विधेयक को संसद के सामने पुन: विचार – विमर्श हेतु प्रस्तुत किया गया, लेकिन लोकसभा भंग हो गई और अंततोगत्वा यह विधेयक भी निरस्त हो गया/
19 दिसंबर 2014 को पुन : वस्तु एवं सेवा कर पर 122 वाँ संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में लाया गया /

वर्ष 2015

मई 2015 में लोकसभा द्वारा gst पर 122 वें संशोधन विधेयक पर विचार – विमर्श किया गया एवं इसे पास कर दिया गया / इसके बाद इस विधेयक को राज्य सभा में ले जाया

गया और इसे 14 मई, 2015 को राज्य और लोकसभा की संयुक्त प्रवर समिति को भेजा गया/ इस समिति ने 22 जुलाई, 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की /

वर्ष 2016

राज्य सभा द्वारा इस विधेयक में कुछ संशोधन किये गये / 1 अगस्त, 2016 को संशोधित संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया / राज्य सभा ने 3 अगस्त , 2016 को कुछ संशोधनों के साथ इस विधेयक को पास कर दिया / लोकसभा ने 8 अगस्त, 2016 को फिर से संशोधित विधयेक को पास कर.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय -7

केंद्र सरकार की योजनाएँ

केंद्र सरकार की योजनाएँ :-

एक राष्ट्र – एक राशन कार्ड योजना

केन्द्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 30 जून, 2020 तक पूरे देश में एक राष्ट्र – एक राशन कार्ड योजना लागू करने की घोषणा की है।
कोविड-19 महामारी ने अर्थव्यवस्था के लगभग प्रत्येक क्षेत्र के लिये ही 'जीवन बनाम आजीविका' की दुविधा उत्पन्न की है। प्रवासी श्रमिक समाज के उन सबसे कमज़ोर वर्गों में से एक हैं जो इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं।
कोविड-19 महामारी की दो घातक लहरों के बाद बेरोज़गार प्रवासी श्रमिकों के समक्ष खाद्य सुरक्षा और आय सुरक्षा दो प्रमुख चिंताओं के रूप में उभरे हैं।
खाद्य सुरक्षा की समस्या से निपटने के लिये भारत सरकार ने 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' (One Nation One Ration Card- ONORC) योजना की शुरुआत की है। ONORC योजना किसी लाभार्थी को उसका राशन कार्ड कहीं भी पंजीकृत होने से स्वतंत्र रखते हुए देश में कहीं भी अपने कोटे का खाद्यान्न प्राप्त कर सकने की अनुमति देती है।

किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (kusum)

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (Cabinet Committee on Economic Affairs-CCEA) ने किसानों को वित्तीय और जल सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से **किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान-कुसुम** (Kisan Urja Suraksha evam Utthaan Mahabhiyan-KUSUM) को शुरू करने की मंज़ूरी दे दी है।

FREE SAMPLE

लक्ष्य

- तीनों घटकों को शामिल करने वाली इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2022 तक कुल 25,750 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित करना है।

योजना के घटक

प्रस्तावित योजना के तीन घटक हैं :

♦ घटक A : भूमि के ऊपर बनाए गए 10,000 मेगावाट के विकेंद्रीकृत ग्रिडों को नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों से जोड़ना।

♦ घटक B : 17.50 लाख सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना।

♦ घटक C : ग्रिड से जुड़े 10 लाख सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों का सौरीकरण (Solarisation)।

योजना का कार्यान्वयन

- घटक A और घटक C को क्रमशः 1000 मेगावाट की क्षमता तथा एक लाख कृषि पंपों को ग्रिड से जोड़ने के लिये पायलट आधार पर लागू किया जाएगा। पायलट योजना की सफलता के बाद इसे बड़े पैमाने पर कार्यान्वित किया जाएगा। घटक B को पूर्ण रूप से लागू किया जाएगा।
- घटक A के अंतर्गत किसान/सहकारी समितियाँ/पंचायत/कृषि उत्पादक संघ (Farmer Producer Organisations-FPO) अपनी बंजर या कृषि योग्य भूमि पर 500 किलोवाट से लेकर 2 मेगावाट तक की क्षमता वाले नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकेंगे। बिजली वितरण कंपनियाँ (DISCOMs) उत्पादित ऊर्जा की खरीद करेंगी। दर का निर्धारण संबंधित SERC द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर बिजली वितरण कंपनियों को पाँच वर्षों की अवधि के लिये 0.40 रुपए की दर से प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- घटक B के अंतर्गत किसानों को 7.5 HP क्षमता तक के सौर पंप स्थापित करने के लिये सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना में पंप क्षमता को सौर पीवी क्षमता (KW में) के समान मानने की अनुमति दी गई है।

FREE SAMPLE

- योजना के घटक C के अंतर्गत किसानों को 7.5 HP की क्षमता वाले पंपों के सौरीकरण के लिये सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना में पंप क्षमता को सौर पीवी क्षमता के दोगुने के समान माना गया है।

वित्तपोषण

- इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार 34,422 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।
- घटक B और घटक C के लिये मानदंड लागत का 30 प्रतिशत या.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान

सामान्य परिचय -

राज्य	उत्तर प्रदेश
राज्य का पूर्व नाम	संयुक्त प्रान्त
राज्य का पुर्नगठन	1 नवम्बर, 1956
राजधानी	लखनऊ
राज्य	24 जनवरी
क्षेत्रफल	2,40,928 किमी
राजभाषा	हिंदी (उर्दू दूसरी राजभाषा)
उच्च न्यायालय	इलाहबाद (लखनऊ में खण्डपीठ)
कुल मण्डल	18
कुल जिले/जनपद	75
विधान मण्डल	द्विसदनीय
विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या	99+1 (एंग्लो इण्डियन)=100
विधानसभा के सदस्यों की संख्या	403+1 (एंग्लो इंडियन) =404
लोकसभा के सदस्यों की संख्या	80
राज्य के सदस्यों की संख्या	31
प्रथम मुख्यमंत्री	श्री गोविंद बल्लभ पन्त
प्रथम राज्यपाल	श्रीमती सरोजनी नायडू

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

स्थिति एवं विस्तार -	भारत के उत्तर में 23 52 उत्तरी अक्षांश से 30 28 उत्तरी अक्षांश तथा 77 3 पूर्वी देशांतर से 84 39 पूर्वी देशांतर तक
सीमावर्ती राज्य एवं देश -	उत्तर में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेशः पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली व् राजस्थानः दक्षिण में मध्यप्रदेश व् छत्तीसगढ़ और पूर्व में झारखण्ड, बिहार व् नेपाल
आकर	लम्बवत
पूर्व से पश्चिम लम्बाई	650 किमी
उत्तर से दक्षिण चौड़ाई	240 किमी
राजकीय चिन्ह	मछली
राजकीय पुष्प	पलाश
राजकीय वृक्ष	अशोक
राजकीय पक्षी	सारस अथवा क्रोच
राजकीय पशु	बारहसिंगा
राजकीय खेल	हॉकी

प्राकृतिक प्रदेश -

(i) तराई प्रदेश, (ii) गंगा-यमुना का मैदानी प्रदेश, (iii) दक्षिण का पठारी (iv)दक्षिण का पठारी प्रदेश

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रमुख नदियाँ

गंगा, यमुना, रामगंगा, काली या शारदा, घाघरा, गंडक, कोसी, चम्बल, बेतवा, सिन्ध, केन, सोन व अलकनन्दा आदि

गंगा नदी-

हिन्दू धर्म में गंगा नदी को पवित्र और पूजनीय माना जाता है। गंगा नदी का उद्गम गंगोत्री ग्लेशियर के गोमुख से होता है।

उद्गम स्थल पर ये नदी भागीरथी के नाम से जानी जाती है। परन्तु देव प्रयाग में भागीरथी का मिलन अलकनंदा नदी से होता है। इसके मिलन के बाद ही यह नदी गंगा कहलाती है।

उत्तर प्रदेश में गंगा नदी सर्वप्रथम बिजनौर जिले में प्रवेश करती है। उत्तर प्रदेश के लगभग 28 जिले गंगा के तट पर स्थित है।

गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. है। उत्तर प्रदेश में इसकी कुल लम्बाई 1140 किमी. है।

गंगा नदी उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के बाद बिहार में प्रवेश कर जाती है।

गंगा के दायें तट की सहायक नदियाँ यमुना, चंद्रप्रभा, टोन्स, कर्मनाशा आदि हैं।

गंगा की बायें तट की सहायक नदियाँ घाघरा, गंडक, कोसी, रामगंगा, गोमती नदी आदि हैं।

यमुना नदी –

यमुना नदी हिमालय पर्वत की श्रृंखला में स्थित बन्दरपूंछ नामक स्थान के पास स्थित यमुनोत्री हिमनद से निकलती है।

यमुना नदी को नीलाम्बरा, गम्भीरा, सूर्य, यम की बहन आदि नामों से पुकारा जाता है।

FREE SAMPLE

विश्व प्रसिद्ध ताजमहल आगरा में यमुना नदी के तट पर स्थित है।

यमुनोत्री से लेकर प्रयागराज तक यमुना नदी 1376 किमी. का सफर तय करती है।

प्रयागराज में जाने के बाद यमुना गंगा में मिल जाती है। यहाँ पर इन दोनों का संगम होता है। यमुना नदी उत्तर प्रदेस के 20 जिलों से होकर बहती है।

अलकनन्दा नदी -

चमोली के उत्तरी भाग में स्थित सतोपंथ शिखर के हिमनद और सतोपंथ ताल से निकलती है। अलकनन्दा से सर्वप्रथम विष्णु प्रयाग से धौली गंगा फिर क्रमशः नन्द प्रयाग में नन्दाकिनी, कर्ण प्रयाग में पिंडार नदी, रूद्र प्रयाग में मन्दाकिनी नदी और अन्त में देव प्रयाग में अलकनन्दा स्वयं भागीरथी में विलीन हो जाती है। और अब संयुक्त रूप से गंगा नदी के नाम से जानी जाती है।

शिवालिक श्रेणी को काटकर गंगा, ऋषिकेश, हरिद्वार, बहते हुए, फिर उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में.....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख झीलें व ताल

झील का नाम	**स्थान**
गौर झील	रामपुर
बेंती	प्रतापगढ़
सरहा ताल	बलिया
औंधी ताल	वाराणसी
बखीरा झील	सन्त कबीर नगर .....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

वन्यजीव विहार

नाम	स्थापना	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	जनपद
1. हस्तिनापुर वन्यजीव विहार	1986 ई.	2,073	गाज़ियाबाद, मेरठ, मुज्जफनगर, मुरादाबाद
2. राष्ट्रीय चम्बल वन्यजीव विहार	1979 ई.	635	इटावा एवं आगरा
3. कैमूर वन्यजीव विहार	1982 ई.	501	सोनभद्र एवं मिर्ज़ापुर
4. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	1977 ई.	490	लखीमपुर खीरी
5. डॉ. भीमराव आंबेडकर	2003 ई.	467	प्रतापगढ़ .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस**

कांस्टेबल *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- ***प्रदेश के 8 जिलों के परिवर्तन नाम***

1. *महामायानगर को पुनः हाथरस कर दिया गया हैं*
2. *रमाबाई नगर को पुनः कानपूर देहांत कर दिया गया हैं*
3. *छत्रपति शाहूजी नगर को पुनः अमेठी कर दिया गया हैं*
4. *काशीराम नगर को पुनः कासगंज कर दिया गया हैं*
5. *प्रबुद्ध नगर को शामली कर.....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

विविध तथ्य -

- उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री श्री गोविन्द वल्लभ पन्त थे
- उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल श्रीमती सरोजनी नायडू थीं
- उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष राजर्षि पुरुषोत्तम दस टंडन थें
- उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के प्रथम सभापति चंद्रभान थें
- उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री श्रीमती सुचेता कृपलानी थीं
- उत्तर प्रदेश की एकमात्र आण्विक परियोजना नरौरा (बुलंदशहर) है
- प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक बगर कानपूर हैं
- सबसे बड़ा दरवाजा बुलंद दरवाजा (फतेहपुर सिकरी) हैं
- महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ (वाराणसी से 10 किमी दूर) में दिया था
- स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम 1857 ई. में मेरठ में हुआ था
- काशी विद्यापीठ में पठान-पाठन 1921 ई. में महात्मा गाँधी ने आरम्भ किया था
- अयोध्या का प्राचीन नाम 'अयान्सा' था
- प्राचीनकाल में कन्नोज 'कान्यकुब्ज' के नाम से प्रसिद्ध था

उत्तर प्रदेश का इतिहास -

- प्राचीनकाल में गंगा के मैदान में स्थित उत्तर प्रदेश का क्षेत्र 'मध्य देश' कहलाता था मध्य देश (वर्तमान उ. प्र.) में कुरु, पांचाल, काशी, कौशल, शूरसेन, चेदी, वत्स तथा मल्ल महाजनपद स्थापित थे
- मिर्ज़ापुर बुंदेलखंड और प्रतापगढ़ के सराय नाहर क्षेत्र में खुदाई के परिणामस्वरूप प्राप्त प्राचीन और नविन पशंकलिन औजार, हथियार तथा (आलमगीर) में जो हड़प्पा कालीन वस्तुएं मिली हैं उन्हें यह ज्ञात होता है कि यहाँ का इतिहास बहुत प्राचीन रहा है

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- मध्य पाषाण कालीन मानव के अस्थि पंजर के कुछ अवशेष प्रतापगढ़ के सारे नहर राय तथा महदहा नामक स्थान से प्राप्त हुए हैं
- मध्य पाषाण युग के विशिष्ट औज़ार सूक्ष्म पाषाण (पठार के परिकृत औज़ार) भी दक्षिणी उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं
- इलाहबाद जिले के नव पाषण स्थलों की यह विशेषता है की यहाँ ईसा-पूर्व छठी शताब्दी में भी चावल का उत्पादन होता था तत्कालीन बर्तनों में पोलिश वाला मृद्भांड, घूसर मृद्भांड, मंद्वर्ण आदि भी अतरंजी खेड़ा, राजघाट, कौशाम्बी और सोख में मिले हैं
- नवीनतम खोजो के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल संत कबीर जिले में स्थित लाघुरादेव है
- जब बहार से आर्य आए, उन्होंने सबसे पहले भारत में सप्त सिन्धु या सात नदियों द्वारा सिंचित प्रदेश में बस्तियाँ बनाई
- प्रारंभ में कुछ प्रमुखघरानों के नाम इस प्रकार थे- पुरु, तुर्वस, यदू, अनु और द्रुह्य ये पाँच घराने पंचजन कहताते थे
- धीरे-धीरे आर्य पूर्व की ओर अग्रसर होने लगे कौशल और विदेह पर ब्राह्मणों और क्षत्रियोंद्वारा अधिकार कर लिया गयाइसका वर्णन 'शतपथ' ब्राह्मण में है
- धीरे-धीरे सप्तसिंधु का महत्त्व कम होता गया और आर्यों को सरस्वती और गंगा की उपजाऊ भूमि ने आकर्षित किया यही उनकि संस्कृति, साहित्य, आध्यात्मिक और राजनीती का केन्द्र बना यहाँ कुरु, पांचाल, काशी और कौशल(अवध) राज्य थे।

ईसा पूर्व छठी शताब्दी के आरम्भ में उत्तर भारत में 16 महाजनपद थे। इनमें से 8 महाजनपद वर्तमान उत्तर प्रदेश की सीमा के अंतर्गत थे। ये महाजनपद निम्न थे – कुरु, पांचाल,.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

प्रमुख व्यक्तित्व –

सर सैयद अहमद खां –

सर सैयद अहमद खां का जन्म 1817 ई. में दिल्ली में हुआ था। 1857 ई. में वे अमीन के पद नियुक्त हुए थे। सरकारी सेवा से निवृत होकर वे समाज सुधारक बन गये थे। मुसलमानों में शिक्षा का प्रसार करने के लिए इन्होंने अलीगढ़ में मोहम्मडन-एंग्लो ओरिएण्टल स्कूल स्थापित किया। इनकी मृत्यु 1898 ई. में हुई।

टोडरमल –

इनका जन्म सीतापुर जिले के लहरपुर गाँव में हुआ था। पहले ये शेरशाह सूरी की सेवा में थे। बाद में मुगलों की सेवा में आ गए। अकबर के समय में इनको दीवान का पद प्रदान किया था। इन्होंने दहसाला बंदोबस्त व्यवस्था द्वारा भू-व्यवस्था को नवीन स्वरूप प्रदान किया था।

बीरबल –

बीरबल का जन्म उत्तर प्रदेश के जालौन के काल्पी नामक गाँव में 1528 ई. एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इनका मूल नाम महेश दास था। अकबर ने इनको अपने नवरत्नों में शामिल किया था।

अकबर के दीन-ए-इलाही को स्वीकार करने वाले ये प्रथम व्यक्ति थे।

बाणभट्ट –

बाणभट्ट हर्षवर्धन के दरबार में रहते थे। ये कवि एवं विद्वान के रूप में जाने जाते थे। इन्होंने हर्ष चरित व कादम्बरी नामक ग्रंथों की रचना की थी। कादम्बरी को विश्व का प्रथम उपन्यास भी कहा जाता है। इनके दोनों ग्रन्थ तत्कालीन भारत की जानकारी के महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संत रविदास

रविदास चर्मकार जाति से थे। ये निर्गुण ब्रह्मा के उपासक थे। रविदास जी ने रैदासी सम्प्रदाय की स्थापना की थी। इनका जन्म वाराणसी में हुआ था। ये रामानन्द के 12 शिष्यों में से एक थे। निर्गुण ब्रह्म के उपासक इस संत ने हिन्दू और मुस्लिमों में से कोई भेदभाव नहीं किया। इन्होंने रामदासी सम्प्रदाय की स्थापना की।

अमीर खुसरो –

अमीर खुसरो का जन्म 1253 में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

पर्यटन एवं दर्शनीय स्थल –

प्रयागराज –

- प्रयागराज को इलाहाबाद के नाम से भी जाना जाता है। गंगा एवं यमुना के संगम पर स्थित इस नगर को हिन्दू तीर्थों के रजा के रूप में मान्यता प्राप्त है। यहाँ पर हर 12 वर्ष

के अन्दर कुम्भ और हर छः वर्ष में अर्द्ध कुम्भ तथा हर वर्ष माघ मेले का आयोजन किया जाता है। इसलिए इस नगरी को संगम नगरी कुम्भ नगरी या तीर्थराज भी कहते हैं।

- अकबर ने कौशाम्बी स्थित अशोक स्तम्भ को प्रयाग में अपने किले में स्थापित करवाया था। जिस पर हरिषेण रचित गुप्तवंशीय समुद्रगुप्त का भी लेख उत्कीर्ण है।
- अकबर ने प्रयाग की पुनस्थापना कर 1554 में इसे इलाहाबाद नाम दिया।
- हर्षवर्धन प्रति पांचवें वर्ष प्रयाग में महामोक्ष परिषद् का आयोजन करता था।
- प्रयागराज को सभी हिन्दू तीर्थों के राजा होने का सम्मान प्राप्त है।
- प्रयागराज में आनन्द भवन और चंद्रशेखर पार्क भी स्थित हैं। आनन्द भवन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के निवास स्थान का नाम है।
- चन्द्रशेखर पार्क (पूर्व नाम अल्फ्रेड पार्क) वो स्थान है जो जहां पर क्रन्तिकारी चन्द्रशेखर ने ब्रिटिश पुलिस का मुकाबला करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

काशी –

- काशी को वाराणसी और बनारस के नाम से भी जाना जाता है। गंगा नदी के किनारे स्थित यह नगर विश्व के पुरातन नगरों में से एक है। इस नगर का धार्मिक महत्व काफी ज्यादा है।

काशी वरुणा व अस्सी नामक दो नदियों के मध्य स्थित होने के कारण.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रमुख लोक नृत्य –

- **नौटंकी** – उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक प्रचलित लोक नृत्य 'नौटंकी' है, जिसका मूल्य स्वरूप विधि नाटक का है। इसमें हाथरसी तथा कानपुरी नाट्य शैलियों द्वारा संवाद, गायक एवं लोक नृत्य के माध्यम से लोक कथाओं का प्रदर्शन किया जाता है।
- **धोबिया राग** – यह धोबी जाति का नृत्य है, जिसमें एक नर्तक धोबी तथा दूसरा नर्तक उसका गधा बनता है।
- **धोबिया नाच** – इसमें कच्ची घोड़ी पर सवार होकर एक नर्तक अन्य नर्तकों के मध्य विलक्षण मुद्राएं प्रदर्शित करते हुए नृत्य करता है। इसका आयोजन मांगलिक अवसरों पर किया जाता है।
- **धुरिया समाज** – इसके तहत बुंदेलखंड क्षेत्र की कुम्हार जाति के नर्तक पुरुषों द्वारा स्त्री रूप धारण करके महिला भाव भंगिमाओं को प्रदर्शित करते हुए गायन नृत्य प्रस्तुत किया जाता है।
- **पाई डंडा** – गुजरात के 'डांडिया रास नृत्य' के समान ही बुंदेलखंड के अहीर.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

पुलिस व्यवस्था

पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन होती हैं। पुलिस का सबसे बड़ा अधिकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस होता है। पुलिस का वर्गीकरण इस प्रकार है -

महानिदेशक पुलिस (D.G.P)

|

इंस्पेक्टर जनरल पुलिस (I.G)

|

उपमहानिरीक्षक (D.I.G)

|

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (S.S.P)

|

पुलिस अधीक्षक (S.P)

|

उपपुलिस अधीक्षक (D.S.P)

|

प्रभारी निरीक्षक (Inspecter)

|

उप निरीक्षक (Sub-Inspector)

|

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

सिपाही .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल

		कब से	कब तक
1.	श्रीमती सरोजिनी नायडू	15 अगस्त, 1947	2 मार्च,1949
2.	विधुभूषण मलिक (कार्यवाहक)	3 मार्च, 1949	1 मई, 1949
3.	होरमस्जी पेरोशो मोदी	3 मई, 1949	1 जून,1952
4.	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी	2 जून, 1952	9 जून,1957
5.	वाराहगिरी बैंकट गिरि	10 जून, 1957	30 जून, 1960
6.	डॉ. वी.रामकृष्ण राम	1 जुलाई, 1960	15 अप्रैल, 1962
7.	विश्वनाथ दास	16 अप्रैल, 1962	30 अप्रैल, 1967
8.	डॉ. बेजवाड़ा गोपाला रेड्डी	1 मई, 1967	30 जून, 1972
9.	शशिकांत शर्मा (कार्यवाहक)	1 जुलाई,1972	13 नवंबर, 1972
10.	अकबर अली खान	14 नवंबर, 1972	24 अक्टूबर, 1974
11.	डॉ. मारी चेन्ना रेड्डी	25 अक्टूबर, 1974	1 अक्टूबर, 1977
12.	गणपतराव देवजी तपासे	2 अक्टूबर,1977	27 फरवरी, 1980
13.	चंद्रशेखर प्रसाद नारायण सिंह	28 फरवरी, 1980	31 मार्च,1985
14.	मोहम्मद उस्मान आरिफ	31 मार्च, 1985	11 फरवरी,1990
15.	बी. सत्यनारायण रेड्डी	12 फरवरी,1990	25 मई,1993
16.	मोतीलाल वोरा	25 मई,1993	3 मई,1996
17.	मोहम्मद शफी कुरैशी (कार्यवाहक)	3 मई, 1996	19 जुलाई, 1996

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

विविध

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2021

जनवरी	समारोह की तिथि
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

भारत में प्रथम पुरुष

भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति	- डॉ.राजेन्द्र प्रसाद
प्रथम व अन्तिम भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे	- सी. राजगोपालाचारी
स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन हैं ।	- जवाहरलाल नेहरू
भारत के प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति कौन थे ।	- डॉ.जाकिर हुसैन
भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री कौन थे	– सरदार वल्लभ भाई पटेल
मुग़ल साम्राज्य का अंतिम बादशाह कौन था ।	- बहादुर शाह जफर द्वितीय
मुग़ल साम्राज्य का प्रथम बादशाह	- जहीरुद्दीन बाबर
विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय	- गौतम काजी
व्यास सम्मान से सम्मानित प्रथम व्यक्ति -	डॉ० रामविलास शर्मा
पद्म भूषण' पुरस्कार से सम्मानित प्रथम क्रिकेट खिलाड़ी कौन थे ।	- सी० के० नायडू
टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले प्रथम भारतीय -	के०एस० रणजीत सिंह (इंग्लैण्ड की ओर से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में रहने वाला पहला व्यक्ति कौन है।	- लॉर्ड इरविन
ब्रिटेन में उच्चायुक्त नियुक्त किये जाने वाले प्रथम-भारतीय कौन	- वी०के० कृष्ण मेनन
प्रथम भारतीय एफ०आर०एस०	- ए० कर्सेटजी
प्रथम भारतीय आई०सी०एस०	- सत्येन्द्रनाथ टैगोर
स्वतंत्र भारत का प्रथम भारतीय कमाण्डर-इन-चीफ	- जनरल के०एम० करिअप्पा
नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	- रवीन्द्रनाथ टैगोर
इंडियन नेशनल कांग्रेस का प्रथम सभापति	- व्योमेश चन्द्र बनर्जी
भारत का प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल कौन था।	- लॉर्ड वारेन हेस्टिंग
भारत के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर जनरल तथा प्रथम वायसराय	- लॉर्ड केनिंग

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें

, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• भारत किन किन क्षेत्रों में प्रथम स्थान रखता है –

दुनिया में सरकार समर्थित परिवार नियोजन लागू करने वाला पहला देश ।
विश्व का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क भारत में है ।
सर्वाधिक पशुधन आबादी भारत में है ।
जूट का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत है ।
अदरक का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत है ।

केले का सबसे बड़ा उत्पादक ।

अरंडी के बीजों का सबसे बड़ा उत्पादक ।

आमों का सबसे बड़ा उत्पादक ।

दूध का सबसे बड़ा उत्पादक ।

दुनिया में बाजरे का सबसे बड़ा उत्पादक

सोने के आभूषण का सबसे बड़ा उपभोक्ता।

कुसुम तेल बीज का सबसे बड़ा उत्पादक वाला देश भारत है ।

पपीते का सबसे बड़ा उत्पादक ।

लहसुन का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, पहला स्थान **चीन** का.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

भारत रत्न -

भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जिसे कला, साहित्य, विज्ञान एवं सार्वजनिक सेवा या जीवन में असाधारण एवं अत्युत्तम कोटि की उपलब्धि हेतु दिया जाता है। जाति, स्थिति या लिंग के भेदभाव के बिना कोई भी व्यक्ति इस पुरस्कार के योग्य है। इस पुरस्कार की शुरुआत 2 जनवरी, 1954 में हुई थी। भारत रत्न देने की अनुशंसा स्वयं प्रधानमन्त्री द्वारा राष्ट्रपति को की जाती है।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति

सम्मानित व्यक्ति	वर्ष
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. चन्द्रशेखर वेंकट रमन	1954
डॉ. भगवान दास, डॉ. मोक्षागुण्डम विश्वेश्वरैया, 'पण्डित जवाहरलाल नेहरू	1955
'पण्डित गोविन्द बललभ पन्त	1957
डॉ.घोण्डो केशव कर्वे	1958
डॉ. विधान चन्द्र राय, पुरुषोत्तमदास ठण्डन	1961
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	1962

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. , पाण्डुरंग वामन काणे	1963
लाल बहादुर शास्त्री (मरणोपरान्त)	1966
इन्दिरा गाँधी	1971
वराहगिरि वेंकट गिरि	1975
कुमारास्वामी कामराज (मरणोपरान्त)	1976
मदर मैरी टेरेसा बोजाक्सिऊ (मदर टेरेसा)	1980

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार –

- दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1969 में भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहेब फाल्के की 100वीं जयन्ती के अवसर पर की गई थी।
- यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है, जो भारत सरकार के **सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय** द्वारा भारतीय सिनेमा के संवर्द्धन और विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है।
- प्रतिष्ठित व्यक्तियों कौ एक समिति की सिफारिश पर वर्ष के अन्त में इसे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के साथ दिया जाता है। वर्ष 1969 में पहला पुरस्कार अभिनेत्री **देविका रानी** को दिया गया था।
- दादा साहेब फाल्के पुरस्कार पहली बार मरणोपरान्त **पृथ्वीराज कपूर** को वर्ष 1971 में प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के तहत् भारत सरकार एक स्वर्ण कमल, एक प्रशस्ति-पत्र तथा ₹ 10 लाख एवं एक शॉल प्रदान करती है।
- दादा साहेब फाल्के अकेडमी के द्वारा भी दादा साहेब के नाम पर तीन पुरस्कार दिए जाते हैं--फाल्के रत्न अवार्ड, फाल्के

कल्पतरु अवार्ड और दादा साहेब फाल्के अकेडमी अवार्ड।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति

सम्मानित व्यक्ति	**विशिष्टता**	**वर्ष**
देविका रानी	अभिनेत्री	1969
बी एन सरकार	निर्माता	1970
पृथ्वीराज कपूर	अभिनेता	1971
पंकज मलिक	संगीतकार	1972
रूबी मेयर्स	अभिनेत्री	1973
बी एन रेड्डी	निर्देशक	1974

धीरेन गांगुली	अभिनेता, निर्देशक	1975
कानन देवी	अभिनेत्री	1976
नितिन बोस	सिनेमैटोग्राफर, निर्देशक	1977
आर सी बोराल	संगीतकार, निर्देशक	1978
सोहराब मोदी	अभिनेता, निर्माता, निर्देशक	1979
पीजयराज .	अभिनेता, निर्देशक	1980
नौशाद अली	संगीतकार	1981
एल वी प्रसाद	अभिनेता, निर्माता, निर्देशक	1982
दुर्गा खोटे	अभिनेत्री	1983
सत्यजीत रे	निर्देशक	1984
वीशान्ताराम .	अभिनेता, निर्माता, निर्देशक	1985
बीनागी रेड्डी .	निर्माता	1986
राजकपूर	अभिनेता, निर्माता, निर्देशक	1987

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय-

क्रमांक	विश्व के प्रमुख संगठन	मुख्यालय
1.	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी)IAEA)	वियना, ऑस्ट्रिया
2.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)IMF)	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
3.	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय	हेग, नीदरलैंड
4.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन)ILO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
5.	आर्थिक सहयोग और विकास संगठन)OECD)	पेरिस, फ्रांस
6.	अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति)IOC)	लुसाने, स्विट्जरलैंड
7.	अफ्रीकी आर्थिक आयोग)ECA)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
8.	अफ्रीकी एकता संगठन)OAU)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
9.	अरब लीग	काहिरा, मिस्र
10.	अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन)ISA)	हरियाणा, भारत

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

राष्ट्रमंडल खेल

- राष्ट्रमंडल खेल की कल्पना सन् 1891 में एक अंग्रेज "जे. एस्ले कपूर" ने की थी।
- राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत 1930ई. में हेमिल्टन(बरमूडा) में हुई थी।
- राष्ट्रमंडल खेल का नाम ब्रिटिश साम्राज्य तथा सन् 1954 राष्ट्रमंडल खेल रखा गया ।
- सन् 1908 के ओलम्पिक के बाद रिचर्ड कूम्बस नामक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के द्वारा उसके सुझाव को मंजूरी दे दी गई ।
- 1934ई. में लंदन में होने वाले दूसरे राष्ट्रमंडल खेल में भारत ने पहली बार भाग लिया था ।
- राष्ट्रमंडल खेल प्रत्येक चार वर्षों पर दो ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों के बीच में होता है ।
- राष्ट्रमंडल खेल कभी भी लगातार एक ही देश में नहीं होते हैं ।
- राष्ट्रमंडल खेल में राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों की टीम में भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेल

- सन् 1947 में नई दिल्ली में एशियाई देशों के सम्मलेन में एशियाई देशों की अन्तर्राष्ट्रीय खेलों की स्पर्द्धा हर चार वर्ष पर आयोजित करने की योजना बनायी गई। प्रो. जी.डी. सोढी को इस प्रस्ताव का श्रेय जाता है, जिनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से एशियाई देशों को एक-साथ करना था।
- एशियाई खेल संघ ने चमकते सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित किया ।
- पहले एशियाई खेलों की प्रतियोगिता का उद्घाटन 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली में हुआ था ।

क्रिकेट

- क्रिकेट खेल की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्वी इंग्लैण्ड में हुई मानी जाती है ।
- इंग्लैण्ड मेलबर्न क्रिकेट क्लब की स्थापना 1787 ई. में हुई ।
- भारत में कलकत्ता क्रिकेट क्लब की स्थापना 1792 ई. में हुई ।

FREE SAMPLE

- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की स्थापना इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस के रूप में 1909 ई. में हुई थी, जिसे बाद में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।
- **राष्ट्रीय खेल**- 1. इंग्लैण्ड , 2. ऑस्ट्रेलिया।
- **माप-** 1. बॉल- 155.9 ग्राम से 163 ग्राम,

2. बल्ला- लम्बाई 96.5 सेमी. , चौड़ाई अधिकतम 10.8 सेमी. ,

3. पिच- 20.12 मीटर

- **स्टेडियम**

राष्ट्रीय- 1. नरेन्द्र मोदी स्टेडियम- अहमदाबाद, 2. वानखेड़े स्टेडियम-मुम्बई, 3. ईडेन गार्डन-कोलकाता.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह ***उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)*** *, राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं* ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

SAMPLE

- ***भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य –***

सुंदरबन नेशनल पार्क, पश्चिम बंगाल :- *पश्चिम बंगाल में सुंदरवन एक घना मैंग्रोव जंगल है जो घूमने के लिए एक अनोखी और शानदार जगह है। इसमें 54 द्वीप शामिल हैं और पास के देश, बांग्लादेश तक फैले हुए हैं।*

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश :- *यह मध्य प्रदेश में स्थित है, और अपने प्राकृतिक परिवेश के लिए सबसे अच्छा है और भारत में किसी भी अन्य पार्क की तुलना में बाघों की सबसे अधिक आबादी है।*

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश :- *मध्य प्रदेश राज्य में स्थित, कान्हा नेशनल पार्क खूबसूरत झीलों, चलने वाली नदियों और विस्तृत घास के मैदानों के साथ बांस के जंगलों का एक घना और समृद्ध क्षेत्र है।*

रणथम्भौर नेशनल पार्क, राजस्थान :- *यह अरावली पहाड़ी श्रृंखलाओं और विंध्यन पठार के बीच जंक्शन पर पूर्वी राजस्थान में स्थित है।*

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान 1936 में स्थापित किया गया था। आज, भारत 166 से अधिक अधिकृत राष्ट्रीय उद्यानों का घर है। असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान अपने राइनो के लिए बेहद प्रसिद्ध है। वन और वन्य जीवन अभयारण्य क्षेत्र, जो राज्यों की सीमाओं पर आते हैं, सुरक्षा कारणों से संरक्षित हैं।

जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड :- *बाघों के लिए भारत के पहले और प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक, जिम कॉर्बेट उत्तराखंड में स्थित है।*

भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य की सूची -

राजस्थान

- *केवला देवी नेशनल पार्क (साइबेरियन क्रेन नामक प्रवासी पक्षी का आश्रय स्थल)*
- *रणथ्मभोर नेशनल पार्क*
- *सरिस्का नेशनल पार्क*
- *मरुस्थलीय नेशनल पार्क*
- *मुकिंद्रा हिल्स नेशनल पार्क*
- *घना पक्षी नेशनल पार्क*
- *माउंट आबू Wildlife Sanctuary*

मध्य प्रदेश

- *संजय नेशनल पार्क*
- *माधव नेशनल पार्क*
- *पालपुर कुनो नेशनल पार्क .....*

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अन्य विविध topics

जनसंख्या एवं पर्यावरण

जनसंख्या -

2011 में हुई जनगणना के अनुसार उत्तरप्रदेश, भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। विश्व स्तर पर चीन, भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और इंडोनेशिया की ही जनसंख्या उत्तरप्रदेश से अधिक है। प्रदेश में 67.7 % जनसंख्या साक्षर है। प्रदेश में सर्वाधिक साक्षरता 80.1% गौतमबुद्ध नगर की है। प्रदेश में लिंगानुपात के मामले में जौनपुर की स्थिति सबसे बेहतर है।

देश में पहली बार वायसराय लॉर्ड मेयो के कार्यकाल में 1872 ई. में जनगणना हुई थी। सर्वप्रथम नियमित जनगणना की शुरुआत लॉर्ड रिपन के कार्य काल में 1881 ई. में हुई थी। तब से प्रत्येक दस वर्ष पर देश में जनगणना की जाती है।

वर्ष 2011 में हुई जनगणना नियमित जनगणना के क्रम में 15 वें और स्वतंत्र भारत में 7 वें स्थान पर थी। इस जनगणना में पहली बार बायोमैट्रिक आधार जानकारी एकत्रित की गई।

जनगणना एक वर्ष पहले (जैसे वर्ष 2011 की वर्ष 2010 में) शुरू हो जाती है और उसके अन्तिम आँकड़े कई वर्ष बाद (जैसे 2011 के 2013 में जारी होते हैं। 15 वीं जनगणना के पहले चरण की प्रक्रिया 16 मई से 30 जून 2010 तक चली थी।

उत्तरप्रदेश में 11 जुलाई, 2000 को जनसंख्या निति की घोषणा की गई, जिसमें जनसंख्या को नियंत्रित करने के विभिन्न प्रावधान किये गए।

जनगणना 2011 के समय उत्तरप्रदेस में 71 जिले थे; जबकि वर्तमान में 75 जिले हैं।

15 वीं जनगणना का नारा "हमारी जनगणना, हमारा भविष्य" था।

FREE SAMPLE

15 वीं जनगणना के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त सी. चन्द्रमोली थे।

उत्तरप्रदेश में जनसंख्या एवं विकास आयोग गठित है, जिसका अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है।

राज्य में अनुसूचित जाती एवं जनजाति

2011 की जनगणना के अनुसार सीतापुर जिले में प्रदेश में सबसे ज्यादा संख्या अनुसूचित जाती (एस. सी.) के लोग निवास करते है। उसके बाद इलाहाबाद (प्रयागराज), हरदोई, आजमगढ़ और खीरी का स्थान आता है।

जनसंख्या में प्रतिशत के हिसाब से कौशाम्बी जिले की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाती के लोगों का प्रतिशत प्रदेश में सबसे ज्यादा (34.72%) है। इसके बाद सीतापुर, हरदोई, उन्नाव और रायबरेली का स्थान है।

प्रदेश में अनुसूचित जाति की संख्या का प्रतिशत 20.69 है।

अनुसूचित जाति के लोग प्रदेश में संख्या और प्रतिशत, दोनों दृष्टि से बागपत जिले में सबसे कम है।

पूरे देश की बात करें तो सबसे ज्यादा संख्या में अनुसूचित जाति के लोग उत्तरप्रदेश में ही निवास करते हैं अर्थात एस. सी.की संख्या में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है, लेकिन प्रदेश की कुल जनसंख्या में एस. सी. के प्रतिशत (20.69) की दृष्टि से देश में उत्तरप्रदेश का स्थान चौथा है। प्रतिशत के मामले में पंजाब (31.9) पहले स्थान पर है।

प्रदेश में अनुसूचित जाति का लिंगानुपात 907 है।

अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत प्रदेश में कुल प्रादेशिक जनसंख्या का केवल 0.56% ही है। सबसे ज्यादा एस. टी. आबादी (संख्या और प्रतिशत, दोनो. में) सोनभद्र जिले में है।

सबसे कम अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या वाला जिला (संख्या और प्रतिशत, दोनों में) बागपत है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अनुसूचित जनजाति का प्रदेश में लिंगानुपात 951 है ।

महत्वपूर्ण तथ्य

2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में सबसे ज्यादा शिशु आबादी (0-6 वर्ष) इलाहाबाद जिले में थी; जबकि सबसे कम महोबा जिले में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

पर्यावरण -

पारिस्थितिकी

- **पारिस्थितिकी** विज्ञान विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत जीव- विज्ञान तथा भूगोल के मौलिक सिद्धात की पारस्परिक व्याख्या की जाती है
- Ecology लैटिन भाषा के 2 शब्दो से मिलकर बना हुआ – OIKOS और LOGOS जहाँ OIKOS से आशय है निवास स्थान जबकि LOGOS अध्ययन शब्द को प्रतिबिम्बित करता है
- इकोलॉजी शब्द के जन्मदाता राइटर महोदय है जबकि इस शब्द की सैद्धान्तिक व्याख्या अर्नेस्ट हैकल ने प्रस्तुत की थी इसलिए पारिस्थितिक विज्ञान या जन्मदाता हैकल को ही समझा जाता है।

Leveles of ecological study [पारिस्थितिक विज्ञान अध्ययन के विभिन्न स्तर]

1. जनसख्या (Population)
2. समस्ती (Cummunity)
3. पारितन्त्र (Eco-System)
4. बायोम (जीबोम)
5. जैवमण्डल (Bio-sphere)

1. **जनसंख्याः-** किसी निश्चित कालखण्ड में स्थान विशेष पर समान प्रजाति मे पाये जाने वाले जीवों की कुल संख्या को परिस्थितिक जनसंख्या कहते है।

यहाँ प्रजाति से आशय है वह जैव-समूह जिसमे स्वरूपगत , आनुवाशिक भिन्नता हो तथा सफल लैंगिंग एवं अलैंगिक प्रजनन पाया जाता है। जनसंख्या पारिस्थितिकी के अध्ययन की सबसे छोटी इकाई है।

FREE SAMPLE

2. <u>समुदाय-</u> समुदाय निर्धारित स्थान - विशेष मे जीवो का वैसा समूह है जो की एक-दूसरे से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से अंतर्सम्बन्धित होते है। अर्थात् समुदाय की आवश्यक शर्त है की इसमे विभिन्न प्रजातियाँ पारिस्थितिक उर्जा के लिए एक-दूसरे पर आश्रित होती है।

3. <u>पारिस्थितिक तन्त्र –</u> पारिस्थितिकी तन्त्र पारिस्थितिकी विज्ञान के अन्तर्गत सूक्ष्म से लेकर ब्रह्द क्रियात्मक इकाई है जिसमे जैविक एवं अजैविक घटको के मध्य अन्तर्सम्बन्धो से उत्पन्न उर्जा प्रवाह का अध्ययन किया जाता हैं।

पारिस्थिति तन्त्र शब्द के जन्मदाता आर्थर टान्सले महादय हैं परन्तु इसकी सैधान्तिक व्याख्या E.P. Odem महोदय ने अपनी पुस्तक Fundamental of Ecology मे की है इसलिए Father of Ecosystem Odem महोदय को कहा जाता हैं।

Types of EcSo-system - क्रियात्मकता के आधार पर पारितन्त्र 2 प्रकार के होते हैं-

1. प्राकृतिक पारितन्त्र 2. क्रत्रिम पारितन्त्र

1. **प्राकृतिक पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग हैं जिसमें मानवीय हस्ताक्षेप नहीं होता इसके 2 महत्वपूर्ण अंग हैं-

(अ) स्थलिय पारितन्त्र, घासभूमि पारितन्त्र, मरुभूमि पारितन्त्र etc.

(ब) जलीय पारितन्त्र- जलीय पारितन्त्र स्वभावतः 2 प्रकार का होता हैं-

(1) प्रवाही जल का पारितन्त्र

(2) स्थायी जल का पारितन्त्र

स्थायी जल का पारितन्त्र विभिन्न प्राक्रतिक पारितन्त्र में सर्वाधिक स्थिर पाया जाता हैं। सागरिय पारितन्त्र जलीय पारितन्त्रों में सर्वाधिक स्थिर हैं।

FREE SAMPLE

2 **क्रत्रिम पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग जोकि मानव द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनिरूप निर्मित किया जाता है उसे क्रत्रिम पारितन्त्र कहते हैं जैसे - कृषि भूमि का पारितन्त्र।

पारितन्त्र के घटक- क्रियात्मक पारितन्त्र मे मुख्य रूप से 2 प्रकार के घटक पाये जाते हैं जाकि एक-दूसरे से ऊर्जा प्रवाह द्वारा जुडे होते हैं।

(I) अजैविक घटक- पारितन्त्र के अजैविक घटक तीन वर्गो में विभक्त किये जा सकते हैं-

(I) कार्बनिक घटक- कार्बनिक घटकों का निर्माण पारितन्त्र में विभिन्न जैव- रासायनिक प्रकृियाओं द्वारा होता हैं इसलिए इन्हे रासायनिक घटको के नाम से भी जानते हैं जैसे- कार्बोहाइड्रेटस, प्रोटिन, वसा आदि।

(2) भौतिक घटक- इन्हे जलवायुविक घटकों की भी श्रेणी में रखते हैं जैसे तापमान, आद्रता, वायुमण्डलिय दाब, पवन परिसंचरण आदि के साथ-साथ उँचाई।

(3) खनिज घटक- अजैविक घटकों में पारितन्त्र में खनिजों का महत्वपूर्ण योगदान हैं जोकि विभिन्न पोषण स्तरों में चक्रीय प्रवाह के रूप में प्राप्त होते हैं। जैसे- कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, P, fe, Cu, O 2 आदि।

(2) **जैविक स्वपोषि-** वह जैव समुदाय जोकि भौतिक तत्वों से अपने लिए स्वयं भोज्य ऊर्जा उत्पन्न करता हैंउन्हे स्वपोषि कहा जाता हैं। इनके 2 महत्वपूर्ण वर्ग हैं-

I. प्राकाश संश्लेषीत जीव- जोकि सूर्य से प्राप्त उर्जा द्वारा अपना भोजन निर्मित करता हैं इसके अन्तर्गत मुख्य रूप से पादप समूह आते हैं।

2. रासायनिक संश्लेषीत जीव- वह सूक्ष्म जीव जोकि सूर्य प्रकाश की अनुपस्थिति में जैव-रासायनिक प्रक्रिया द्वारा अपना भोजन निर्माण करते हैं।

FREE SAMPLE

परपोषी- *वह जैव समूह जोकि अपने भोज्य उर्जा हेतु स्वपोषियों पर निर्भर करता हैं उसे.....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

मानवाधिकार

परिभाषा –

प्राकृतिक अधिकार जो मानव को जन्म लेते ही प्राप्त होता है उसे हम मानव अधिकार कहते है.

दुसरे शब्दों में एसे अधिकार जो प्रतेक व्यक्ति को मानव होने के नाते प्राप्त होते है उसे हम मानव अधिकार कहते है. जैसे;

भोजन, वस्त्र, आवास आदि. मनवा अधिकार में आमलोगों को बेहतर और सुरक्षित जीवन के लिए कुछ मुलभुत अधिकार दिए गए है. पुलिसकर्मी आपने कर्तव्य के कर्म में प्रायः एसी गलतिय कर बैठते है जिससे लोगो के मानवाधिकार का हनन हो जाता है

मानवाधिकार (What are Human Rights)

- मानवाधिकार की स्थापना 2 अक्टूबर 1993 में हुई। जिसके उद्देश्य नौकरशाही पर रोक लगाना, मानव अधिकारों के हनन को रोकना तथा लोक सेवक द्वारा उनका शोषण करने में अंकुश लगाना।
- मानवाधिकार की सुरक्षा के बिना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आज़ादी खोखली है मानवाधिकार की लड़ाई हम सभी की लड़ाई है। विश्वभर में नस्ल, धर्म, जाति के नाम मानव द्वारा मानव का शोषण हो रहा है। अत्याचार एवम जुल्म के पहाड़ तोड़े जा रहे हैं।
- हमारे देश में स्वतंत्रता के पश्चात् धर्म एवम जाति के नाम पर भारतवासियों को विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। आदमी गौर हो या काला, हिन्दू हो या मुस्लमान, सिख हो या ईसाई, हिंदी बोले या कोई अन्य भाषा सभी केवल

इंसान हैं और संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित मानवाधिकारों को प्राप्त करने का अधिकार है।

- मानव अधिकार का मतलब ऐसे हक़ जो हमारे जीवन और मान-सम्मान से जुड़े हैं। ये हक़ हमें जन्म से मिलते हैं, हम सब आज़ाद हैं। साफ़ सुथरे माहौल में रहना हमारा हक़ है । हमें इलाज़ की अच्छी सहूलियत मिले। हमें और हमारे बच्चों को पढाई-लिखाई की अच्छी सहूलियत मिले। पीने का पानी साफ मिले। जाति, धर्म, भाषा-बोली के कारण हमारे साथ भेदभाव न हो।
- हमें हक़ है की हम सम्मान के साथ रहें। कोई हमें अपना दास या गुलाम नहीं बना सके। प्रदेश में हम कहीं भी बेरोकटोक आना-जाना कर सकते हैं। हम बेरोकटोक बोल सकते हैं, लेकिन हमारे बोलने से किसी के मान-सम्मान को चोट नहीं पहुंचनी चाहिए। हमें आराम करने का अधिकार है। हमें यह तय करने का अधिकार है की हमारे बच्चे को किस तरह की शिक्षा मिले।
- हर बच्चे को जीने का अधिकार है, उसे अच्छी तरह की शिक्षा मिले। यदि हमें हमारा हक़ दिलाने में सरकारी महकमा हमारी मदद नहीं कर रहा है तो हम मानव अधिकार आयोग में शिकायत कर सकते हैं। आयोग में सीधे अर्जी देकर शिकायत कर सकते हैं।

इसके लिए वकील की जरूरत नहीं है। शिकायत किसी भी भाषा या बोली में कर सकते हैं हिंदी में हो तो अच्छा है। शिकायत लिखने के लिए कैसे भी कागज़ का इस्तेमाल करें, स्टैम्प पेपर की कोई जरूरत नहीं होती। आयोग के दफ्तर में टेलीफोन नम्बर पर भी शिकायत दर्ज कर.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के

सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग-

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission-NHRC) एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना **मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993** के प्रावधानों के तहत 12 अक्टूबर, 1993 को की गई थी।
- मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और 12 अक्टूबर, 2018 को इसने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किये।

यह संविधान द्वारा दिये गए मानवाधिकारों जैसे - जीवन का.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें

, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह **उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (S.I.)** , राजस्थान S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

01414045784
contact@infusionnotes.com
http://www.infusionnotes.com/

OTHER EDITIONS

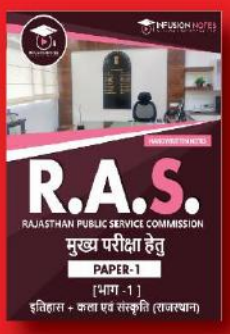

whatsapp- https://wa.link/z14m96 159website- https://bit.ly/up-constable-notes